

सतना

07 मार्च 2026
शनिवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

शराब घोटाले में बरी हुई कविता का ऐलान तेलंगाना में बनाएगी नई पार्टी

कहा- केंद्र सरकार ने एजेंसियों के जरिए हमें विच हंट का शिकार बनाया नई दिल्ली, एजेंसी। भारत राष्ट्र समिति की पूर्व सदस्य और के.के.के. के कविता तेलंगाना में एक नई पार्टी बनाने जा रही हैं। कविता ने यह एलान तब किया, जब दिल्ली की एक कोर्ट ने उन्हें और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल समेत 23 लोगों को दिल्ली शराब घोटाले के मामले में बरी कर दिया था। बरी होने के बाद कविता तिरुमाला में तिरुपति बालाजी मंदिर गईं। कविता ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भगवान बालाजी के आशीर्वाद से हम जल्द ही तेलंगाना राज्य में एक पॉलिटिकल पार्टी बनाने जा रहे हैं।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कविता ने कहा कि पूरे देश में देखा है कि कैसे हमारे साथ इस तरह का भेदभाव किया गया और कैसे केंद्र सरकार एजेंसियों के जरिए हमें इस तरह की विच हंट का शिकार बनाया जाता है। कविता ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पूरा देश और खासकर इस देश की महिलाएं उनके साथ खड़ी होंगी। उन्हें विश्वास है कि तेलंगाना के लोग उन्हें आशीर्वाद जरूर देंगे। कविता ने बताया कि पार्टी तेलंगाना के लोगों के लिए काम करने वाली एक रीजनल पार्टी होगी।

केजरीवाल का विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग का अनुरोध खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा ने विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग की आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल के अनुरोध को खारिज कर दिया है। दिल्ली विधानसभा ने आज पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग के उनके अनुरोध को खारिज कर दिया है। समिति ने 'फांसी घर' से जुड़े मामले में केजरीवाल को समन जारी कर शुक्रवार को 03 बजे तलब किया हुआ है। इसके बाद गुरुवार को केजरीवाल ने एक पत्र लिखकर विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही लाइव स्ट्रीमिंग करने का अनुरोध किया था। अध्यक्ष के निर्देश के मुताबिक विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही गोपनीय होती है और प्रक्रिया के नियम इसकी लाइव स्ट्रीमिंग की इजाजत नहीं देते हैं। इसके अलावा, विशेषाधिकार समिति की बैठक का संसद या दूसरे राज्यों में टेलीकास्ट होने का कोई उदाहरण नहीं है।

असम में वायुसेना का सुखोई फाइटर जेट क्रैश, दोनों पायलट की मौत



नई दिल्ली, एजेंसी। असम के कार्बी आंगलों इलाके में ट्रेनिंग के दौरान रडार से गायब हुआ भारतीय वायु सेना का सुखोई Su-30MKI फाइटर जेट क्रैश हो गया है। हादसे में दोनों पायलट स्वभावान लीडर अनुरा और फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रवीण दुरागकर की भी मौत हो गई है। वायु सेना ने गुरुवार देर रात 1 बजकर 9 मिनट पर क्रैश की पुष्टि की थी। शुक्रवार सुबह 9.14 पर एक और x पोस्ट में दोनों पायलट की मौत की जानकारी दी। सेना के मुताबिक तलाशी अभियान जारी है। जब ये हादसा हुआ तब फाइटर जेट नियमित उड़ान या मिशन पर था। इसी दौरान उसका ग्राउंड कंट्रोल से संपर्क टूटा था। वायु सेना के मुताबिक रडार से संपर्क समाप्त होने के बाद वायु सेना ने तुरंत अलर्ट जारी करते हुए घटना की जांच के लिए IAF टीम को असम रवाना किया। फिलहाल विमान की सटीक स्थिति और संपर्क टूटने की वजह का पता लगाया जा रहा है।

होलिका दहन के लिए पेड़ के तने को ट्रेन के डिब्बे के बाहर बांधकर ले गए



मुंबई, एजेंसी। होलिका दहन के लिए लकड़ी की व्यवस्था के लिए कुछ लोगों ने एक पेड़ के तने को लोकल ट्रेन के दरवाजे से बांध दिया। वे ट्रेन के माध्यम से ही इसे पालघर के विरार से मुंबई के माहिम तक ले गए। इस मामले में छह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस्टाग्राम पर एक यूजर ने वीडियो साझा किया, जिसमें डिब्बे के बाहर पेड़ का लंबा तना बांधा नजर आ रहा है। इससे ट्रेन के दरवाजे अवरुद्ध हो गए थे। यूजर ने रेलवे अधिकारियों को भी टैग किया।

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- कहीं भी नमाज करना धार्मिक अधिकार नहीं

● सुरक्षा सबसे पहले : एयरपोर्ट के पास शोड में नमाज की परमिशन देने से इनकार

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास नमाज पढ़ने की परमिशन देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता और किसी भी जगह नमाज पढ़ना धार्मिक अधिकार नहीं माना जा सकता। जस्टिस बीपी कोलाबावाला और जस्टिस फिरोज खानेवाला की बेंच टैक्स और ऑटो-रिक्शा ड्राइवर्स की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें मांग की गई थी कि एयरपोर्ट के पास एक अस्थायी शोड था, जहां वे नमाज पढ़ते थे, जिसे पिछले साल अधिकारियों ने हटा दिया। याचिका में ड्राइवर्स ने उसी जगह या आसपास किसी अन्य जगह पर नमाज पढ़ने की परमिशन मांगी थी। कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया।



सर्वे में नमाज के लिए कोई जगह नहीं मिली

कोर्ट ने पुलिस और एयरपोर्ट अधिकारियों से यह जांच करने को कहा था कि क्या याचिकाकर्ताओं को कोई वैकल्पिक जगह दी जा सकती है। गुरुवार को पेश की गई रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि सात जगहों का सर्वे किया गया, लेकिन भीड़, सुरक्षा चिंताओं और एयरपोर्ट डेवलपमेंट प्लान के कारण कोई भी जगह उपयुक्त नहीं पाई गई। रिपोर्ट देखने के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि एयरपोर्ट के आसपास नमाज पढ़ने के लिए कोई जगह तय करना संभव नहीं है। कोर्ट ने कहा- धर्म हो या कुछ और सुरक्षा सबसे पहले आती है। इस एयरपोर्ट से हर धर्म के लोग यात्रा करते हैं, इसलिए सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता।

अमेरिका का रूसी तेल खरीद पर छूट से संबंधित बयान भारतीय संप्रभुता का अपमान: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट के भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने को लेकर 30 दिन की अस्थाई छूट से जुड़े बयान को लेकर कांग्रेस ने इसे देश की संप्रभुता का अपमान बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय संप्रभुता गंभीर खतरे में है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्लैकमेल हो रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारत को अनुमति देने की भाषा उन देशों के लिए इस्तेमाल होती है जिन



पर प्रतिबंध लगे हों, न कि विदेश नीति जनता की सामूहिक इच्छा से निकलती है और यह सत्य एवं अहिंसा पर आधारित होनी चाहिए। आज जो हो रहा है वह नीति नहीं बल्कि एक समझौता कर चुके व्यक्ति के शोषण का नतीजा है।

'हालात किस तरफ जाएंगे, कहना मुश्किल...' मिडिल ईस्ट में जारी तनाव पर बोले

राजनाथ सिंह नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। चाहे अमेरिका-इजरायल हो या ईरान कोई भी पीछे हटने का नाम नहीं ले रहा है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव की वजह से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हालात अभी असामान्य हैं। हालात किस तरफ जाएंगे, अभी ये कहना मुश्किल है। दरअसल, कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिडिल ईस्ट में जारी तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने अगाह किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) में किसी भी प्रकार की रुकावट वैश्विक अर्थव्यवस्था और तेल-गैस की सप्लाई वैन को धरत कर सकती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि फारस की खाड़ी

रायसीना डायलॉग: ईरानी उप-विदेश मंत्री बोले- आखिरी गोली तक लड़ेंगे

● ट्रम्प न्यूयॉर्क का मेयर नियुक्त नहीं कर सकते, हमारा लीडर क्या खाक तय करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चल रहे रायसीना डायलॉग 2026 में शुक्रवार को ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह भी शामिल हुए। उन्होंने कहा- तेहरान के पास



अमेरिकी-इजरायली हमले के खिलाफ देश की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। हमने कसम खाई है कि देश आखिरी गोली और आखिरी सैनिक तक विरोध करेगा। उन्होंने कहा-

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान में नेतृत्व बदलने की बात करते हैं, जबकि वे अपने ही देश में न्यूयॉर्क के मेयर तक नियुक्त नहीं कर सकते। यह एक तरह का औपनिवेशिक नजरिया है। वे अपने देश में लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन ईरान की लोकतांत्रिक सरकार को गिराना चाहते हैं। न्यूज एजेंसी ANI से चर्चा के दौरान खतीबजादेह ने कहा- ईरान इस समय पूरी तरह से युद्ध की स्थिति से युक्त रहा है। जब हम बात कर रहे हैं, मेरे

साथी नागरिकों पर अमेरिका-इजरायल का लगातार हमला हो रहा है। मुझे लगता है कि अभी ईरान के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वह हमलावर के खिलाफ पूरी तरह से विरोध करें।

कुई ईरान की पहचान का अहम हिस्सा : अमेरिका के संभावित जमीनी हमले के सवाल पर उन्होंने कहा कि ईरान किसी भी औपनिवेशिक मिशन को रोकने के लिए तैयार है।

केमिकल-फ्री और नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देकर कृषि निर्यात बढ़ाने पर जोर: पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण ऑर्गेनिक और केमिकल-फ्री खाद्य उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है और भारत को इस अवसर का लाभ उठते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर कृषि उत्पादों को निर्यात उन्मुख बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने 'कृषि एवं ग्रामीण परिवर्तन' विषय पर आयोजित पोस्ट बजट वेबिनार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि आज वैश्विक स्तर पर ऑर्गेनिक डाइट, ऑर्गेनिक फूड और समग्र स्वास्थ्य देखभाल के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रही है। ऐसे में भारत के किसानों के लिए प्राकृतिक खेती और केमिकल-फ्री उत्पाद वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने का एक 'हाईवे' बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए प्रमाणन, प्रयोगशालाओं और आवश्यक ढांचे के विकास पर विचार कर रही है, लेकिन इस दिशा में सभी संबंधित पक्षों को मिलकर प्रयास करना होगा।



उन्होंने कहा कि केवल एक फसल पर निर्भर रहने से किसानों के लिए जोखिम बढ़ जाता है और आय के विकल्प सीमित हो जाते हैं। इसी कारण सरकार फसल विविधीकरण पर विशेष जोर दे रही है। खाने के तेल और दालों

का निर्यात किया गया है। इन पहलों के कारण किसानों का जोखिम कम हुआ है और कृषि क्षेत्र में आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अनाज, दालों और तिलहन का रिकॉर्ड उत्पादन कर रहा है, लेकिन 21वीं सदी रणनीतिक स्तर है। इसी सोच के साथ सरकार ने पिछले वर्षों में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत करीब 10 करोड़ किसानों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता दी जा चुकी है, जिससे किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है।

उन्होंने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में सुधार के कारण किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना तक लाभ मिल रहा है। संस्थागत ऋण की पहुंच 75 प्रतिशत से अधिक किसानों तक हो चुकी है। वहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये के दावों का निपटारा किया गया है। इन पहलों के कारण किसानों का जोखिम कम हुआ है और कृषि क्षेत्र में आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अनाज, दालों और तिलहन का रिकॉर्ड उत्पादन कर रहा है, लेकिन 21वीं सदी रणनीतिक स्तर है। इसी सोच के साथ सरकार ने पिछले वर्षों में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत करीब 10 करोड़ किसानों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता दी जा चुकी है, जिससे किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है।

उन्होंने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में सुधार के कारण किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना तक लाभ मिल रहा है। संस्थागत ऋण की पहुंच 75 प्रतिशत से अधिक किसानों तक हो चुकी है। वहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये के दावों

'आक्रमण इसलिए हो रहे हैं क्योंकि हम सोए-बटे हुए हैं'

भागवत बोले: भेद और स्वार्थ को तिलांजली दें; संत ने कहा-जैनों को हिंदुओं से अलग न समझें

जैसलमेर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने सद्भावना और एकता की बात करते हुए कटुम्ब मित्र बनाने के लिए कहा। वे बोले इसकी शुरुआत आज से होनी चाहिए। क्योंकि समय बड़ा कठिन है। आक्रमण भी इसलिए चल रहे हैं क्योंकि हम सोए और बटे हुए हैं।



दरअसल, वे शुक्रवार को जैसलमेर में शुरू हुए चादर महोत्सव में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इससे पूर्व वे ई-रिक्शा में बैठकर सोनार दुर्ग गए। जहां पर पार्षलनाथ जैन मंदिर में दर्शन-पूजन कर जिनभद्र सूरि ज्ञान भंडार और दादा गुरुदेव की पावन चादर के दर्शन किए।

इसके बाद वे देदासर मेला ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय चादर महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम

भागवत बोले-झगड़े इसलिए होते हैं क्योंकि हम एकत्व को नहीं पहचानते

कार्यक्रम के दौरान मोहन भागवत ने ट्रेन की एक कहानी सुनाते हुए कहा- सीट को लेकर झगड़ा हुआ। लेकिन, तंबाकू खाने की बात पर दोनों में बातचीत शुरू हुई। दोनों की बातचीत में पता चला कि दोनों भाई थे, जो एक बचपन में गुम हो गया था। इसके बाद दोनों गले मिलकर रोने लगे। वे बोले- ये इसलिए है क्योंकि हम हमारे एकत्व को पहचानते नहीं, इसलिए झगड़े होते हैं। क्योंकि एक नहीं है तो अलग है। अलग है तो अलग-अलग स्वार्थ है। यदि अपने लोग है तो आधी रोटी भी बांटकर खाएंगे। सभी एक-एक टुकड़ा खाएंगे और सभी की भूख ठीक हो जाएगी। यदि अपने लोग नहीं है तो किसी को देगा नहीं। अपना खाकर समाधान नहीं होगा और दूसरे के पास मिठाई है तो वह अपने पास कैसे आ जाए ये भी सोचेंगे। एकता का अनुभव करने के लिए जो जीवन है उसे पूर्ण व्यवस्थित करना और फल की इच्छा से मुक्त होकर करना। ये कुछ भी मेरा नहीं, कुछ भी सत्य नहीं है। एक प्रवृत्ति और दूसरा निवृत्ति मार्ग है।

और यहां रहने वाले का पहला धर्म हिंदू है। जैन धर्म परमात्मा महावीर की शिक्षाओं को आगे बढ़ाने का उपदेश है। कार्यक्रम के दौरान मोहन भागवत दादा गुरुदेव की स्मृति में स्मारक सिक्का और 'डक टिकट' का लोकार्पण तथा 'दादा गुरुदेव' पुस्तक का विमोचन किया।

ईरान के शिराज शहर पर हमले में 20 की मौत

● ईरान ने इजराइल-अमेरिका का झोन गिराया; फारस की खाड़ी में 52 फ्रांसीसी जहाज फंसे



तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज सातवां दिन है। इजराइल और अमेरिका ने आज ईरान के शिराज शहर पर हमला किया। ईरानी मीडिया के मुताबिक इस हमले में 20 लोगों की मौत हो गई और 30 घायल हो गए। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक यह हमला शहर के जीवाशहर इलाके के रिहायशी क्षेत्र में हुआ, जिसमें कई आम लोग मारे गए। इस हमले में दो मेडिकल कर्मचारियों की भी मौत हो गई।

वहीं ईरानी सेना ने लोरेस्तान इलाके में अमेरिका का MQ-9 झोन और इजराइल का Hermes-900 झोन को मार गिराया है। जंग की वजह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के रास्ते भी प्रभावित हुए हैं। फ्रांस के परिवहन मंत्री ने कहा कि फारस की खाड़ी में 52 फ्रांसीसी जहाज फंसे हुए हैं और 8 जहाज रेड सी में रुके हुए हैं।

कर्नाटक में 16 साल के बच्चे नहीं चला सकेगा व्हाट्सएप-इंस्टाग्राम

सीएम ने सोशल मीडिया पर बैन का किया एलान



नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आज शुक्रवार, 6 मार्च को बच्चों के मोबाइल इस्तेमाल के बुरे असर को कम करने के लिए एक बड़ा एलान किया है। मुख्यमंत्री ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया एप्लिकेशन पर बैन लगाने की बात कही है। सीएम सिद्धारमैया ने फाइनेंशियल इंधर 2026-27 के लिए 4.48 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इस बजट में टेक्नोलॉजी से चलने वाली लॉनिंग पहलों को रोलूटरी उपायों के साथ मिलाकर सुधारों का एलान किया गया है, ताकि बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा दी जा सके।

16 साल के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन :सीएम सिद्धारमैया ने राज्य में 16 साल के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने की बात कही है। राज्य में जब यह नियम लागू होगा, तब कर्नाटक बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। सिद्धारमैया ने कहा, 'बच्चों पर बढ़ते मोबाइल इस्तेमाल के बुरे

असर को रोकने के लिए 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल बैन कर दिया जाएगा। कर्नाटक में AI-बेस्ट लॉनिंग सिस्टम :सीएम सिद्धारमैया ने स्टूडेंट्स के लिए ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-बेस्ट लॉनिंग सिस्टम का प्रस्ताव रखा। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार क्लास 8 से 12 तक के स्टूडेंट्स को प्रस्ताव देगी। ईडिशन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (IIT) धारवाड़ के साथ मिलकर बनाया गया एक पर्सनलाइज्ड डिजिटल ट्यूटोरिंग सिस्टम शुरू करेगी। इस प्रोग्राम से लगभग 1.22 मिलियन स्टूडेंट्स को फायदा होने की उम्मीद है और इसे 5 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से लागू किया जाएगा। बेंगलुरु में युनिवर्सिटी ऑफ विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को IITs की तरह डेवलपमेंट के लिए 500 करोड़ रुपये दिए जाएंगे, जिसमें से इस साल 100 करोड़ रुपये देने का फैसला लिया गया है।

चंडीगढ़ में सैलून संचालक पर जानलेवा हमला



चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ के मौली जागरां के विकास नगर में पुरानी रॉजिश के चलते कुछ युवकों ने सैलून का काम करने वाले एक युवक पर तेजधार हथियारों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान गुफरान निवासी विकास नगर, मौली जागरां के रूप में हुई है। उसके हाथों और शरीर के कई हिस्सों पर गहरे कट के निशान हैं। उसे इलाज के लिए सेक्टर-32 स्थित अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पीड़ित के भाई मुहम्मद इरफान ने बताया कि कुछ समय पहले विकास नगर में उनके घर के बाहर कुछ युवक खड़े होकर गाली-गलौच कर रहे थे। गुफरान ने उन्हें ऐसा करने से मना किया तो आरोपितों ने उसके साथ मारपीट की थी। इस मामले में उन्होंने मौली जागरां थाना पुलिस को शिकायत भी दी थी, लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इरफान के अनुसार इसी रॉजिश के चलते वीरवार दोपहर गुफरान पर हमला किया गया। उस समय गुफरान विकास नगर स्थित अपनी सैलून की दुकान पर काम कर रहा था। तभी कुछ युवक तेजधार हथियारों से लैस होकर वहां पहुंचे और आते ही गुफरान पर हमला कर दिया। हमले में गुफरान गंभीर रूप से घायल हो गया। झआसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उसे सेक्टर-32 अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत पुलिस को दे दी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और आरोपितों की तलाश की जा रही है।

हाउस टैक्स वृद्धि पर प्रदर्शन : सीएम आगमन से पहले पार्षद नीरज गोयल हाउस अरेस्ट



गाजियाबाद, एजेंसी। हाउस टैक्स वृद्धि के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर रहे पार्षद नीरज गोयल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आने से पहले पुलिस ने हाउस अरेस्ट किया। इसके बाद पार्षद नीरज गोयल बोले बेतहाशा हाउस टैक्स से नगरवासियों को राहत मिलनी चाहिए। नगर निगम ने हाउस टैक्स में बेतहाशा वृद्धि की गई है, जिसका पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन ने गाजियाबाद से लेकर लखनऊ तक विरोध किया। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री के सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित बैठक में शामिल होने के लिए आगमन पर पार्षद नीरज गोयल को चौथी बार हाउस अरेस्ट किया गया। अरेस्ट के समय दर्जनों पुलिसकर्मियों पार्षद संपर्क कार्यालय पर पहुंचे। पार्षद के निवेदन पर पुलिसकर्मियों की संख्या कुछ कम की गई, फिर भी लगभग दस पुलिसकर्मियों अंतिम समय तक पार्षद के पास मौजूद रहे। पार्षद नीरज गोयल ने बताया कि सांसद अतुल गर्ग, महापौर सुरतोता दयाल और नगरपालिका विभागाध्यक्ष मलिक की एक बैठक हुई थी, जिसमें हाउस टैक्स वृद्धि में राहत देने पर चर्चा करते हुए समाधान की बात कही गई। इसी क्रम में सात मार्च को बोर्ड बैठक हो सकती है, जिसमें हाउस टैक्स में राहत मिल सकती है।

दीक्षांत समारोह की तैयारियों में जुटा विश्वविद्यालय, मेधावियों की बनाई जा रही है सूची



आगरा, एजेंसी। आगरा विश्वविद्यालय प्रशासन प्रदेश में सबसे पहले दीक्षांत समारोह करने की तैयारी में जुटा है। इसके लिए सभी पाठ्यक्रमों के परिणाम 20 मार्च तक जारी कर मेरिट सूची तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय प्रशासन इस बार भी प्रदेश में सबसे पहले दीक्षांत समारोह करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए जरूरी कार्य पूरे किए जा रहे हैं। विपम सेमेस्टर पाठ्यक्रमों के सभी परिणाम भी 20 मार्च तक कर दिए जाएंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि विश्वविद्यालय में करीब 32.5 पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। इनके अधिकांश परिणाम जारी कर दिए हैं। 20 मार्च तक बचे हुए पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जारी कर दिए जाएंगे। इसके बाद अप्रैल में सम सेमेस्टर की परीक्षाएं होंगी, इनका भी परिणाम जून तक जारी कर दिया जाएगा। इसके आधार पर मेरिट बनाने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस तरह से इस बार भी प्रदेश में सबसे पहले दीक्षांत समारोह कराया जाने का लक्ष्य रखा है। बीते साल भी डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का प्रदेश में सबसे पहले दीक्षांत समारोह हुआ था।

सिंथेटिक रंगों से चेहरे पर चकते, पक्के रंग छुड़ाने के लिए परेशान न हों; इन बातों का रखें ध्यान

आगरा, एजेंसी। अगर आपकी त्वचा पर भी होली का पक्का रंग लगा है, तो इसे छुड़ाने के लिए ज्यादा परेशान न हों। अधिक राइने या फिर बार-बार साबुन लगाने से परेशानी हो सकती है। आगरा के एस्पान के मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में होली के बाद त्वचा की एलर्जी, अस्थमा और सांस रोगियों की संख्या बढ़ गई। ओपीडी में ऐसे कई मरीज आए, जिन्होंने रंग साफ करने के लिए बार-बार साबुन से मुंह धोया। इससे चकते और एलर्जी की दिक्कत और बढ़ गई। डॉक्टरों ने दवा देने के साथ बचाव के बारे में भी बताया। त्वचा रोग विभागाध्यक्ष डॉ. यतेंद्र चाहर ने बताया कि ओपीडी में करीब 10 फीसदी मरीजों के चेहरे पर लाल-सफेद चकते, दाने और गर्दन पर एलर्जी मिली है।

गुरुग्राम में होली पर मनकीरत औलख के शो में हंगामा, कई जगह झड़प और हादसे

गुरुग्राम, एजेंसी। होली के अवसर पर शहर में कई जगहों पर हुड़दंगबाजों ने माहौल को खराब किया। बुधवार को सेक्टर 29 स्थित जिमखाना क्लब में हुए पंजाबी गायक मनकीरत औलख के इवेंट के दौरान हंगामा हो गया। नौजवानों के बीच पहली लाइन में खड़े होने को लेकर विवाद शुरू हो गया, जो देखते ही देखते झड़प में बदल गया। लोगों ने एक-दूसरे से हाथापाई की। पुलिस ने झगड़ करने वाले लोगों को बाहर कर माहौल को शांत कराया। इसके अलावा भी कई अन्य जगहों से हादसे और झगड़े की सूचनाएं पुलिस को दिनभर मिलती रहीं। बुधवार रात तक कई मामलों में घायल होकर 15 से ज्यादा घायल नागरिक अस्पताल पहुंचे। गुरुग्राम पुलिस ने होली पर हुड़दंग को रोकने के लिए शहर समेत ग्रामीण इलाकों में 37 जगहों पर नाकेबंदी



कराई थी। इसके अलावा भी पुलिस को कई टीमें जगह-जगह पर गश्त करती रहीं। बुधवार दोपहर झगड़े की सूचना सेक्टर 29 जिमखाना क्लब से मिली। पता चला कि पंजाबी गायक मनकीरत औलख के शो के दौरान कुछ युवकों के बीच आगे खड़े होने को

लेकर कहासुनी हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि कई लोगों के बीच धक्कामुक्की और मारपीट शुरू हो गई। कुछ युवकों ने एक-दूसरे को लात-बूसे भी चलाए। लोगों ने एक-दूसरे की टी-शर्ट व अन्य कपड़े फाड़ दिए। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कई युवक अर्धनग्न दिखाई दिए। मौके पर मौजूद पुलिस ने तुरंत हालात पर काबू पाया और झगड़ रहे युवकों को खींचकर स्टेशन के पास से नीचे उतार दिया। घटना के बाद कार्यक्रम स्थल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने झगड़ा कर रहे सभी लोगों को बाहर कर दिया। गुरुग्राम पुलिस के अनुसार अलग-अलग जगहों पर कई हादसों की सूचनाएं भी मिलीं। इसमें आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। सभी का इलाज नागरिक अस्पताल में चल रहा है। वहीं

फरुखनगर, पदौदा, बिलासपुर, सुशांत लोक, मानेसर में भी हुड़दंग के दौरान झगड़े की सूचनाएं मिलीं। इसमें भी लोगों को हल्की-फुल्की चोटें आईं। दूसरी ओर यातायात पुलिस ने बताया कि होली के दौरान पूरे दिन पुलिस ने कई जगहों पर वाहन चालकों की जांच की। इसमें 80 वाहन चालक शराब के नशे में पाए गए। इन सभी लोगों के चालान किए गए। वहीं द्राक्षा एक्सप्रेसवे पर स्टेटबाजी का एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इसमें दिख रहा है कि हुड़दंग वरना गाड़ी सवार एक युवक सनरुफ खोलकर बाहर निकला और उसने हवा में कैम से गुलाल उड़या। कई लोगों का कहना है कि इस तरह गुलाल उड़ाने से पीछे से आने वाले वाहन चालकों को दिक्कत हो सकती थी और हादसा हो सकता था।

चंडीगढ़ में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की दहशत

ट्राईसिटी के बड़े बिल्डर से मांगी 20 करोड़ की रंगदारी



चंडीगढ़, एजेंसी। ट्राईसिटी के बड़े कारोबारी एक बार फिर गैंग्सटरों के निशाने पर आ गए हैं। लॉरेंस बिश्नोई गैंग और बंबोहा गैंग से जुड़े बदमाश लगातार शहर के व्यापारियों को रंगदारी के लिए धमका रहे हैं। ताजा मामले में सेक्टर-36डी निवासी एक कारोबारी से 20 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई है। शिकायत मिलने के बाद सेक्टर-36 थाना पुलिस ने

मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कारोबारी लोहित बंसल ने शिकायत में बताया कि 1 जनवरी से 14 फरवरी के बीच उन्हें कई बार वाट्सएप कॉल आईं। ये कॉल विदेशी नंबरों से की गई थीं। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य हैरी बॉक्सर बताते हुए उसे 20 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी और पैसे नहीं देने पर गंभीर परिणाम

भुगतने की धमकी दी। पीड़ित ने बताया कि लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर उन्होंने इसकी शिकायत सेक्टर-36 थाना पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत और कॉल डिटेल्स के आधार पर हैरि बॉक्सर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले बंबोहा गैंग के विदेश में बैठे सहयोगी डोनी बल ने बिल्डर अंकित सिदाना के सेक्टर-21 स्थित घर पर फायरिंग करवाई थी। इसके बाद उनसे 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। हालांकि उस मामले में अभी तक पुलिस को कोई खास सफलता नहीं मिली है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और विदेशी नंबरों की कॉल डिटेल्स खंगाली जा रही है। वहीं शहर के व्यापारियों में इन घटनाओं के बाद चिंता का माहौल है।

ट्रंप के व्हाइट हाउस बॉलरूम प्रोजेक्ट का भारी विरोध, समीक्षा समिति पर फूटा जनता का गुस्सा

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में बॉलरूम बनाने के प्लान पर जमकर हंगामा हुआ। इस प्रोजेक्ट का रिव्यू करने वाले एक सरकारी पैनल (नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन) को गुरुवार को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा। मीटिंग में शामिल होने वाले लगभग सभी लोगों ने इस प्रोजेक्ट की आलोचना की और इसे बहुत बढ़ा और बेकार बताया। मार्च की इस मीटिंग में पहले दो घंटों के दौरान 28 लोगों ने अपनी बात रखी। इनमें से सिर्फ एक व्यक्ति ने प्रोजेक्ट का समर्थन किया, जबकि बाकी सब इसके खिलाफ थे। एक आम नागरिक का रोवने ने इसे भद्दा और जरूरत से ज्यादा बढ़ा बताया। इलिनोइस की पूर्व मेयर डायने मार्लिन ने कमीशन से अपील की कि वे इस पर फिर से विचार करें। उन्होंने कहा कि इसे सही करने के लिए और समय लेना चाहिए। इस प्रोजेक्ट की लागत



लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 3300 करोड़ रुपये) है। ट्रंप का प्लान है कि यह पैसा दान के रूप में लिया जाए। इसी बात पर सबसे ज्यादा विवाद है। भ्रष्टाचार विरोधी संस्था कॉमन कॉज की एबिगेल बेलेज ने सवाल उठया कि ये डोनाल्ड लाइवों डॉलर बिना किसी फायदे के क्यों देंगे? उन्होंने आशंका जताई कि इसके बदले में डोनाल्ड सरकार से कुछ उम्मीद रख सकते हैं। हालांकि, कमीशन के चेयरमैन

इनमें से ज्यादातर लोग ट्रंप के उस प्लान के खिलाफ हैं जिसमें व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग की जगह 90,000 स्क्वायर फुट का नया हिस्सा बनाने की बात कही गई है। ट्रंप ने पिछले साल अक्टूबर में ही ईस्ट विंग को गिरा दिया था। आलोचकों का कहना है कि ट्रंप को मंजूरी मिलने से पहले पुरानी इमारत नहीं गिरानी चाहिए थी। इस मामले में कानूनी लड़ाई भी चल रही है। नेशनल ट्रस्ट फॉर हिस्टोरिक प्रिजर्वेशन ने कोर्ट से इस निर्माण को रोकने की मांग की थी। उनका कहना है कि जब तक कांग्रेस और सरकारी पैनल से मंजूरी न मिल जाए, काम रुकना चाहिए। हालांकि, एक जज ने पिछले हफ्ते इस मांग को खारिज कर दिया। अब यह पैनल 2 अप्रैल को मीटिंग करेगा और प्रोजेक्ट पर अपना आखिरी वोट डालेगा। चेयरमैन विल शार्फ ने कहा कि वे चाहते हैं कि हर किसी को अपनी बात रखने का मौका मिले।

अमेरिकी संसद में ट्रंप की ईरान युद्ध नीति पर टकराव युद्ध रोकने का प्रस्ताव मामूली अंतर से खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ युद्ध ने अमेरिका की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर बहस और तेज होने की संभावना है। लेकिन पिछले दो दिनों में दो बार अमेरिकी संसद में इस युद्ध को रोकने के लिए पेश प्रस्ताव वोटिंग के बाद गिर गए हैं। अमेरिका में ट्रंप की ईरान युद्ध नीति पर टकराव तेज होने लगा है। अमेरिका में ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान को लेकर राजनीति तेज हो गई है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले रोकने के प्रस्ताव को बहुत कम अंतर से खारिज कर दिया। गुरुवार को हुए मतदान में प्रस्ताव के पक्ष में 212 वोट पड़े, जबकि कांग्रेस इसकी अनुमति न देती। यह लगातार दूसरा दिन है जब अमेरिकी संसद में ऐसा प्रस्ताव गिरा है। इससे पहले सीनेट



तो ट्रंप प्रशासन को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकनी पड़ती, जब तक कि कांग्रेस इसकी अनुमति न देती। यह प्रस्ताव के पक्ष में 212 वोट पड़े, जबकि कांग्रेस इसकी अनुमति न देती। यह लगातार दूसरा दिन है जब अमेरिकी संसद में ऐसा प्रस्ताव गिरा है। इससे पहले सीनेट

में भी इसी तरह का प्रस्ताव 47-53 मतों से खारिज हो चुका है। **कांग्रेस में ट्रंप की रणनीति को लेकर मतभेद:** इस वोटिंग से साफ हो गया कि अमेरिका में ईरान युद्ध को लेकर

सांसदों के बीच मतभेद गहरे हैं। कई सांसदों का कहना है कि संविधान के अनुसार युद्ध का फैसला करने का अधिकार केवल कांग्रेस के पास है, न कि राष्ट्रपति के पास। विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप राजा नहीं हैं। अगर उन्हें लगता है कि ईरान से युद्ध अमेरिका के हित में है, तो उन्हें पहले कांग्रेस के सामने आकर इसकी जरूरत साबित करनी चाहिए। **रिपब्लिकन पार्टी का ट्रंप को समर्थन:** अमेरिका की सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के अधिकतर सांसद ट्रंप के फैसले का समर्थन कर रहे हैं। उनका कहना है कि ईरान लंबे समय से पश्चिमी देशों के लिए खतरा बन चुका था और यह सैन्य कार्रवाई उस खतरे को खत्म

करने की कोशिश है। रिपब्लिकन सांसद ब्रायन मस्ट ने कहा कि राष्ट्रपति अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए अमेरिका को तत्काल खतरे से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि युद्ध रोकने का प्रस्ताव राष्ट्रपति से कुछ न करने की मांग जैसा था। **डेमोक्रेट्स ने कहा- यह चुनाव का युद्ध:** वहीं डेमोक्रेट पार्टी के कई नेताओं ने ट्रंप के फैसले की आलोचना की है। उनका कहना है कि यह एक चुनाव का युद्ध है, जिसे बिना कांग्रेस की अनुमति के शुरू किया गया। डेमोक्रेट सांसद जेमी रास्किन ने कहा कि संविधान साफ कहता है कि युद्ध का फैसला कांग्रेस करेगी। उनके मुताबिक अमेरिका को इतने बड़े फैसले से पहले व्यापक बहस और पारदर्शिता की जरूरत थी।

गाजियाबाद में होली के बाद बढ़ी गर्मी

एक हफ्ते में 35 डिग्री सेल्सियस पहुंचेगा तापमान

गाजियाबाद, एजेंसी। होली का त्योहार बीतने के साथ ही गर्मी अपना तेवर दिखाने लगी है। अब दोपहर में धूप में तेजी के साथ गर्मी भी काफी बढ़ चुकी है। बृहस्पतिवार को सुबह से शाम तक तेज धूप के साथ गर्मी भी दिन में बाकी दिनों के मुकाबले ज्यादा महसूस हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन में धूप तेजी रहने के साथ तापमान में स्थिरता रहेगी। साथ ही गर्मी भी ज्यादा महसूस हो सकती है। हफ्तेभर में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। मार्च शुरू हो चुका है। ऐसे में अब हर दिन गर्मी बढ़ती हुई महसूस हो रही है। दिन ही नहीं रात में भी सर्दी पूरी तरह से बेअसर हो चुकी है। होली के त्योहार को भी अब दो दिन बीत चुके हैं। होली के दिन बुधवार को दोपहर में गर्मी महसूस होने लगी थी। साथ ही लोग धूप एवं गर्मी से बचाव का प्रयास करते हुए दिखे थे। वैसा ही मौसम बृहस्पतिवार को रहा।



सुबह से निकली चटकीली धूप शाम तक तपती रही। ऐसे में दोपहर में लोगों को गर्मी ज्यादा महसूस हुई। ऐसे में लोग गर्मी से बचाव का प्रयास करते हुए दिखे। न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान करीब 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा अधिकतम 11 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। वातावरण में आर्द्रता लगभग 43 प्रतिशत दर्ज की गई।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन तेज धूप रहने के साथ तापमान में स्थिरता बनी रहेगी। हर दिन गर्मी बढ़ने का एहसास हो सकता है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हवा अधिकतम आठ किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी। वातावरण में आर्द्रता 37 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

ईरानी हथियार से परत हुए एस और खाड़ी देश : जेलेंस्की से मांगनी पड़ी मदद, पश्चिम एशिया युद्ध में कूदेगा यूक्रेन

कीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में धक्कती जंग के बीच एक नया और चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। एक ओर डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ अमेरिका की मजबूत स्थिति का दबाव कर रहे हैं, वहीं अब इस मामले में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलादिमीर जेलेंस्की के ताजा बयान ने इस संघर्ष की दिशा ही बदल दी है। सवाल तो यहाँ तक उठ रहे हैं कि क्या अब इस संघर्ष में यूक्रेन भी कूदने वाला है? आइए जानते हैं कि जेलेंस्की ने ऐसा क्या कहा? पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और घना हो रहा है। अमेरिका और इराक के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब सातवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलादिमीर जेलेंस्की का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ईरानी ड्रोन के खतरे से निपटने के लिए अमेरिका और पश्चिम एशिया के कई देश यूक्रेन के अनुभव का सहारा लेना चाहते हैं। ऐसे समय में जेलेंस्की के इस बयान से एक बात तो साफ हो गई है कि यह टकराव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका असर अब वैश्विक सुरक्षा और कूटनीति तक फैलते नजर आ रहे हैं। इसके चलते कई देश अब यूक्रेन के अनुभव और तकनीक की ओर देख रहे हैं।

समझिए क्या कहा जेलेंस्की ने: अपने बयान में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और पश्चिम एशिया के कई देश ईरान के शाहदे ड्रोन से बचाव के लिए यूक्रेन के अनुभव का सहारा लेना चाहते हैं। जेलेंस्की के अनुसार अमेरिका समेत कई देशों ने यूक्रेन से संपर्क किया है। उन्होंने हाल के दिनों में संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, जॉर्डन और कुवैत के नेताओं से भी इस मुद्दे पर बातचीत की है। दरअसल, रूस ने पिछले चार वर्षों में यूक्रेन पर हजारों शाहदे ड्रोन से हमला किया है। हाल ही में रूस ने एक रात में 800 से ज्यादा ड्रोन और नकली लक्ष्य छोड़कर बड़ा हमला किया था।

कॉलेज लेवल आइडिया कॉम्पिटिशन में छात्रों ने दिखाया नवाचार का उत्साह

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सिलेंस अंतर्गत संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में 6 मार्च को कॉलेज लेवल आइडिया कॉम्पिटिशन का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने बहु-चदकर भाग लेते हुए अपने नवाचारी विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत अधिकांश आइडिया सामाजिक समस्याओं के समाधान से जुड़े रचनात्मक और नवाचारपूर्ण रहे, जिन्हें निर्णायक मंडल ने सराहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने की। उन्होंने



विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ छात्रों में नवाचार और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती हैं। साथ ही यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय का इन्क्यूबेशन



सेंटर विद्यार्थियों को उनके विचारों को व्यावहारिक रूप देने के लिए निरंतर मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग प्रदान कर रहा है। इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी प्रो. राकेश कुमार प्रजापति ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता में चयनित श्रेष्ठ

कैलेंडर के अनुसार आयोजित की गई। कार्यक्रम में डॉ. गुलाम मोहिउद्दीन (सहायक नोडल अधिकारी, इन्क्यूबेशन सेंटर), डॉ. गंगा बैरागी (सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र) सहित महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

अर्जुनसिंह दाऊ साहब हमारे पथ प्रदर्शक थे उनके हर निर्णय के केंद्र में गरीब, किसान और पिछड़ों का हित छुपा रहता था

अजय सिंह द्वारा दाऊ साहब की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडिटर, चुरहट (निप्र)। पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय अर्जुन सिंह दाऊ साहब की 15वीं पुण्यतिथि पर आज सीधी जिले के चुरहट और जिले के अन्य स्थानों पर श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन किया गया जिला कांग्रेस के तत्वाधान में कई जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए स्वर्गीय दाऊ साहब को चाहने वालों ने नम आंखों से उन्हें और प्रदेश के विकास में उनके योगदान को याद किया इसी तारतम्य में स्वर्गीय अर्जुन सिंह के विधायक पुत्र और पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने चुरहट के रावसागर तालाब स्थित समाधि स्थल पर जाकर स्वर्गीय दाऊ साहब को पुष्पार्जलि देकर श्रद्धांजलि अर्पित की उन्होंने स्वर्गीय अर्जुन सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया इस अवसर



पर कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता और स्थानीय जनता उपस्थित थी। अजय सिंह ने कहा कि स्वर्गीय दाऊ साहब एक ऐसे राजनेता थे जिन्होंने देश और प्रदेश के विकास के हर पहलू में अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का हित देखा उनके हर निर्णय के केंद्र बिंदु में दलित, गरीब, पिछड़ा वर्ग और किसानों का हित दिखाई देता था वह एक विद्वान व्यक्ति थे वे न केवल विद्वान थे बल्कि एक संस्था थे जिन्होंने अनेक लोगों को जनसेवा की राजनीति का रास्ता दिखाया राजनीति को वे सेवा का माध्यम मानते थे मूल्य पर्यंत वह अपने आप को कांग्रेस का सिपाही कहते रहे मुझे इस बात का गर्व है कि मैं एक ऐसे पिता की संतान हूँ आज उनका हमारे बीच न होना रिक्तता का एहसास कराता है वे सच्चे मायने में कांग्रेस जनो के पथ प्रदर्शक थे हम सभी उनको अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं श्रद्धांजलि सभा में सतना से आए सत्येंद्र पांडे और उनके साथियों ने सुमधुर भजन प्रस्तुत किया सभा का संचालन कांग्रेस नेता डॉ महेंद्र सिंह चौहान ने किया

महिला ने खाया जहर, कुछ दिन पहले ससुराल से मायके आई थी पति बोला-सब कुछ सामान्य था इलाज के दौरान मौत

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी के मझौली थाना क्षेत्र में एक महिला की जहर खाने से मौत हो गई। महिला ने अपने मायके में जहर खाया था, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। कुछ दिन पहले अपने ससुराल से मायके आई थी जानकारी के अनुसार, मझौली थाना क्षेत्र के ग्राम अरैरला निवासी गुडिया साहू (30) पत्नी गोकुल साहू कुछ दिन पहले अपने ससुराल से मायके मझौली आई हुई थीं। शुरुआत को उन्होंने अज्ञात कारणों से जहर का सेवन कर लिया। परिजनों को जानकारी



मिलने पर गुडिया को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने उनका उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती चली गई और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पति बोले-रात कर सामान्य था मृतका के पति गोकुल साहू ने बताया कि उनकी पत्नी उनके

घटना की सूचना मिलते ही मझौली थाना पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। टीआई बोले-पीएम रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई मझौली थाना प्रभारी विशाल शर्मा ने बताया कि महिला की मौत के मामले में मर्ग कायम किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयानों के आधार पर पूरे मामले की जांच की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला ने किस परिस्थितियों में जहर का सेवन किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 08 मार्च को जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता 08 मार्च को

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 08 मार्च 2026 को 08ASMITA - Achieving Sports Milestone by Inspiring Women Through Action पहल अंतर्गत जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन जिला खेल परिसर, रीवा में किया जाएगा। यह आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में माय भारत एवं खेल विभाग के समन्वय से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में एथलेटिक्स स्पर्धाओं (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर) एवं अन्य मनोरंजक खेल गतिविधियाँ विभिन्न आयु वर्गों - अंडर 13 वर्ष, 13-18 वर्ष एवं 18 वर्ष से अधिक - की बालिकाओं एवं महिलाओं हेतु आयोजित की जाएंगी। जिले से लगभग 1000 प्रतिभागियों की सहभागिता अपेक्षित है। इस आयोजन के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन, खेल एवं युवक

कल्याण विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी (स्कूल शिक्षा), उच्च शिक्षा विभाग, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों का सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जा रहा है। छात्राओं की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से व्यापक मोबिलाइजेशन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तकनीकी संचालन में जिला खेल एवं युवक कल्याण अधिकारी के मार्गदर्शन में अनुभवी खिलाड़ियों एवं स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। आयोजन के दौरान चिकित्सा व्यवस्था, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिला युवा अधिकारी ने जिले की समस्त बालिकाओं एवं महिलाओं से अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

छात्रवृत्ति योजना के आवेदन व नवीनीकरण की अंतिम तिथि 15 मार्च

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि अपर आयुक्त, अनुसूचित जाति विकास मध्यप्रदेश भोपाल के पत्र दिनांक 02 मार्च 2026 के अनुसार एमपीटास्क पोर्टल पर अनुसूचित जाति प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2024-25, 2023-24 एवं 2024-25 के नवीन एवं नवीनीकरण आवेदनों के लिए पोर्टल 15 मार्च 2026 से बंद किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले की सभी शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं में अध्ययनरत पात्र छात्र-छात्राओं को सूचित किया गया है कि जिन विद्यार्थियों ने अभी तक एमपीटास्क पोर्टल पर अपनी प्रोफाइल पंजीकृत नहीं कराई है अथवा आवेदन जमा नहीं किया है, वे 15 मार्च 2026 के पूर्व अनिवार्य रूप से अपनी प्रोफाइल ऑनलाइन पंजीकृत कर आवेदन प्रस्तुत करें।

नगर निगम की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई जारी, कई प्रमुख मार्गों से हटाया गया कब्जा

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा द्वारा शहर में बढ़ते अतिक्रमण को नियंत्रित करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर नगर निगम की टीम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क और पटरियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान व्यापारियों और टेला-गुमटी संचालकों को सख्त चेतावनी भी दी गई कि दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर चालानी कार्रवाई के साथ सामान जब्त किया जाएगा। नगर निगम द्वारा अतिक्रमण को हटाने के तहत 06 मार्च को शहर के नये बसे स्टैण्ड के आसपास सड़क और पटरियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। यहाँ कई व्यापारियों द्वारा दुकान का सामान



सड़क किनारे तक फैलाकर रखा गया था, जिससे राहगीरों और वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। निगम अमले ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाया और व्यापारियों को भविष्य में इस प्रकार की स्थिति न बनने देने की चेतावनी दी। इसके अलावा सिरमौर चौक से सुभाष तिरहा तक सड़क किनारे की पटरियों पर किए गए अतिक्रमण

को भी हटाया गया। इस क्षेत्र में कई अस्थायी दुकानों, ठेलों और गुमटियों के कारण सड़क संकरा हो गई थी, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा था। नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए पटरियों को खाली कराया और मार्ग को स्वस्थित किया। अभियान के दौरान एजी कॉलेज मोड़ तिरहा, खन्ना चौक से जय स्तंभ तक तथा मानकामेश्वर मंदिर और साई मंदिर

समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों उपार्जन हेतु जिले में 41 पंजीयन केंद्र निर्धारित

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास डॉ. राजेश सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी नीति निर्देशों के अनुसार तथा जिला उपार्जन समिति की सहमति उपरान्त जिले में समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों फसलों के उपार्जन के लिए पंजीयन की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। इसके लिए जिले में कुल 41 पंजीयन केंद्र निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले के पंजीकृत कृषकों से समर्थन मूल्य पर चना एवं मसूर उपार्जन के लिए दिनांक

20 फरवरी 2026 से 16 मार्च 2026 तक पंजीयन किया जा रहा है। किसान निर्धारित पंजीयन केंद्रों के माध्यम से अथवा ई-उपार्जन पर पंजीयन करा सकते हैं। इसी प्रकार सरसों फसल (भावांतर योजना) के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए भी जिले में 41 पंजीयन केंद्र निर्धारित किए गए हैं। सरसों के लिए पंजीयन की अवधि 26 जनवरी 2026 से 20 मार्च 2026 तक निर्धारित की गई है। किसान सरसों फसल का पंजीयन भी ई-उपार्जन पोर्टल एडमनचेंजरटैपदपबपद पर कर सकते हैं। कृषि विभाग ने जिले के सभी पात्र किसानों से निर्धारित समयावधि में पंजीयन कराकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।

पूर्व, एसडीएम पर रिश्तत लेकर जमीन नामांतरण का आरोपचुरहट में 46 साल पुरानी जमीन पर कब्जा पीड़ित ने कलेक्टर से लगाई गुहार

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले की चुरहट तहसील के ग्राम लकोड़ा में जमीन नामांतरण को लेकर एक विवाद हो गया है। स्थानीय निवासी दुर्वासा पटेल ने पूर्व एसडीएम शैलेश द्विवेदी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए दावा किया है कि उनकी पुश्तैनी जमीन को कथित तौर पर रिश्तत लेकर किसी अन्य व्यक्ति के नाम कर दिया गया है। 1979 से रिकॉर्ड में दर्ज थी जमीन पीड़ित दुर्वासा पटेल के अनुसार, खसरा नंबर 121 की यह जमीन उनके पिता ने वर्ष



1979 में खरीदी थी। वर्ष 2026 तक राजस्व रिकॉर्ड में उनके परिवार का नाम दर्ज था और वे इस पर निरंतर खेती कर रहे थे। आरोप है कि लगभग एक महीने पहले तत्कालीन एसडीएम शैलेश द्विवेदी ने बिना किसी सूचना या वैध प्रक्रिया के इस

जमीन को आरती सिंह के नाम हस्तांतरित कर दिया। तबादले से ठीक पहले हुआ नामांतरण दुर्वासा पटेल का आरोप है कि इस प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर रुपयों का लेनदेन हुआ है। गौर करने वाली बात यह है कि इस विवादित नामांतरण के कुछ ही समय बाद एसडीएम शैलेश द्विवेदी का तबादला हो गया। पीड़ित ने अब जिला कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है और शुरुआत को वर्तमान एसडीएम प्रियल सिंह को आवेदन सौंपकर जमीन के रिकॉर्ड की नकल मांगी है। अधिकारी

बोले- जांच के बाद होगी कार्रवाई इस मामले में पूर्व एसडीएम शैलेश द्विवेदी ने कहा कि तबादला होने के कारण उन्हें फिलहाल केंस की पूरी जानकारी याद नहीं है और वे फाइल देखने के बाद ही स्थिति स्पष्ट कर पाएंगे। वहीं, हाल ही में पदभार ग्रहण करने वाली वर्तमान एसडीएम प्रियल सिंह ने कहा कि यह मामला उनके कार्यकाल का नहीं है, लेकिन यदि औपचारिक शिकायत मिलती है, तो पूरे मामले को गहन जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तरीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति की बैठक 10 मार्च को

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। अग्रणी जिला प्रबंधक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तरीय सलाहकार समिति (डीएलसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की बैठक का आयोजन 10 मार्च 2026 को सायं 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में किया जाएगा। बैठक

में निर्धारित एजेंडे के अनुसार दिसंबर 2025 समाप्त तिमाही की प्रगति तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की बैंकवार समीक्षा की जाएगी। इस संबंध में सभी बैंकों के जिला समन्वयकों एवं संबंधित शासकीय विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को

आवश्यक जानकारी के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में पिछली बैठक की कार्यवृत्ति की पुष्टि एवं पालन प्रतिवेदन की बैंकवार समीक्षा, समस्त शासकीय योजनाओं की बैंकवार है। एवं शाखावार समीक्षा, जमा एवं

अग्रिम अनुपात तथा अन्य बैंकिंग पैरामीटर की दिसंबर 2025 तक की प्रगति पर चर्चा की जाएगी। किया जाएगा। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, केंसीसी पशुपालन एवं मत्स्य पालन, पीएमएफएमई योजना तथा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी।

श्री झूलेलाल धर्मार्थ प्याऊ समिति का होली मिलन समारोह 8 मार्च को

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। शहर के एसएफ चौक स्थित सिंधु भवन में 8 मार्च को होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें समाज के सदस्य एकत्र होकर होली पर्व की खुशियाँ साझा करेंगे। इस समारोह का आयोजन श्री झूलेलाल धर्मार्थ प्याऊ समिति, जानकी पार्क रीवा एवं श्री झूलेलाल छठी महोत्सव समिति की महिला विंग विंध्य के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर आपसी सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करना है। होली मिलन समारोह में सांस्कृतिक माहौल के बीच एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दी जाएंगी। साथ ही समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी और सदस्य आपसी संवाद के माध्यम से सामाजिक गतिविधियों पर भी चर्चा करेंगे।



समिति के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि इस अवसर पर आगामी 25 मार्च को आयोजित होने वाले झूलेलाल छठी महोत्सव के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम की रूपरेखा, तैयारियों और विभिन्न जिम्मेदारियों को लेकर सदस्यों के बीच विचार-विमर्श किया जाएगा ताकि महोत्सव को भव्य रूप से आयोजित किया जा सके। आयोजक समिति ने संस्था की महिला विंग, धर्मार्थ प्याऊ समिति के सभी सदस्यों तथा समाज के पदाधिकारियों से अपील की है कि वे समय पर कार्यक्रम में उपस्थित होकर होली मिलन समारोह का आनंद लें और आगामी महोत्सव की तैयारियों में अपना सहयोग प्रदान करें।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सिलेंस कॉलेज लेवल आइडिया कॉम्पिटिशन आयोजित

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सिलेंस अंतर्गत संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में 6 मार्च 2026 को कॉलेज लेवल आइडिया कॉम्पिटिशन का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने बहु-चदकर भाग लिया और अपने नवाचारी विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत अधिकांश आइडिया सामाजिक समस्याओं के समाधान पर आधारित रचनात्मक और नवाचारपूर्ण रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता छात्रों में नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने के साथ ही आत्मनिर्भर भारत के

निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से महाविद्यालय द्वारा निरंतर ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं, जो युवाओं को विचार से लेकर उसके सफल क्रियान्वयन तक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी प्रो. राकेश कुमार प्रजापति ने बताया कि प्रतियोगिता में चयनित सर्वश्रेष्ठ विचारों को आगे विकसित करने के लिए विद्यार्थियों को मेंटरशिप एवं प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। यह प्रतियोगिता उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्धारित कैलेंडर के अनुरूप आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ. गुलाम मोहिउद्दीन (सहायक नोडल अधिकारी, इन्क्यूबेशन सेंटर), डॉ. गंगा बैरागी (सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र) सहित महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

नीतीश के बिना बिहार

नीतीश कुमार राज्यसभा अवस्य जा रहे हैं, लेकिन बीते लगभग 20 वर्षों के अपने शासनकाल में वे जिस तरह बिहार को तमाम समस्याओं से उबारकर पट्टी पर लाए, उसे देखते हुए उनके उत्तराधिकारी के सामने राज्य को तेजी से आगे ले जाने की चुनौती होगी। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद ऐसे अनुमान लगाए जा रहे थे कि दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नीतीश कुमार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल शायद ही पूरा करें, लेकिन इसकी

संभावना कम ही थी कि वह पांच माह के अंदर ही बिहार की कमान छोड़कर राज्यसभा जाने का फैसला ले लेंगे, लेकिन अंततः ऐसा ही होने जा रहा है। राज्यसभा के लिए उन्होंने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है और अब इसकी प्रतीक्षा हो रही है कि उनकी जगह मुख्यमंत्री पद कौन संभालेगा? फिलहाल यह प्रश्न अनुरतिर है कि क्या राज्य की कमान जनता दल-यू के किसी नेता के हाथ होगी या फिर भाजपा के पास? अधिक संभावना यही है कि मुख्यमंत्री पद

भाजपा के पास आए और उप मुख्यमंत्री पद जनता दल-यू के हाथ, लेकिन इस बारे में अभी कुछ कहना कठिन है कि नीतीश कुमार के बेटे कुमार राजनीति में प्रवेश कर नई सरकार में कोई भूमिका निभाएंगे या नहीं? जो स्पष्ट है, वह यही कि मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार की लंबी पारी का अंत होने जा

रहा है। यह एक तरह से एक युग का समापन है। नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने के पीछे यह तर्क दिया कि उनकी इच्छा संसद के उच्च सदन जाने की थी, लेकिन इसमें कोई बहुत दम नहीं दिखता, क्योंकि यह स्वाभाविक नहीं जान पड़ता कि कोई मुख्यमंत्री और अपने दल का सर्वेसर्वा राज्य की बागडोर छोड़कर राज्यसभा में सेवाएँ देने का फैसला

करे। यह संभव है कि नीतीश कुमार ने स्वास्थ्यगत कारणों से मुख्यमंत्री पद छोड़ने का फैसला किया हो। यदि उनके मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने के वास्तव में यही मूल कारण है तो उनकी प्रशंसा करनी होगी, क्योंकि आज के युग में ऐसे नेता दुर्लभ हैं, जो कमजोर स्वास्थ्य के कारण इतने बड़े पद का त्याग करने का निर्णय लें। उनके राज्यसभा जाने की बात सामने आते ही विपक्षी दलों की ओर यह जो शोर मचाया जा रहा है कि आखिरकार भाजपा ने नीतीश कुमार को

मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने के लिए बाध्य किया, वह अतिरिक्त ही है, क्योंकि वे कोई सामान्य नेता नहीं। यह ठीक है कि विधानसभा में भाजपा सबसे बड़ा दल है, लेकिन संख्याबल के मामले में जद-यू की उससे चार सौटें ही कम है। यह भी ध्यान रहे कि जद-यू पिछली विधानसभा के मुकाबले कहीं अधिक बेहतर स्थिति में है। ऐसे में ऐसे किसी आकलन को सही नहीं कहा जा सकता कि भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ने के लिए मजबूर किया।

सुशासन के शिखर से सियासी शून्य तक नीतीश कुमार के ऐतिहासिक अवसान की दास्तां

दिलीप कुमार पाठक

नीतीश कुमार भारतीय राजनीति के एक ऐसे विश्लेषण चरित्र हैं, जिन्हें इतिहास क्या हो सकता था और क्या हो गए के बीच के झंझड़ के रूप में याद रखेगा। 2005 में जब उन्होंने बिहार की सत्ता संभाली, तो वह केवल एक मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के एक नए विजन और सुशासन के प्रतीक बनकर उभरे थे। 2005 से 2010 का वह स्वर्ण काल आज भी बिहार के मानस पटल पर अंकित है, जब उन्होंने जंगलराज की राख से एक नए बिहार की नींव रखी थी। उस दौर में नीतीश कुमार का कद इतना विराट था कि उन्हें प्रधानमंत्री पद का सबसे स्वाभाविक और योग्य दावेदार माना जाता था। उनकी तुलना अक्सर बड़े सुधारकों से की जाती थी, लेकिन आज का परिदृश्य कुछ और ही कहानी बयां करता है। नीतीश की सबसे बड़ी ताकत उनका प्रशासनिक विजन था। उन्होंने दिखा दिया था कि इच्छाशक्ति हो तो बिहार जैसे जटिल राज्य की कानून-व्यवस्था को बदला जा सकता है। सड़कों का जाल बिछाना, स्कूल की बिल्डिंगों को साइकिल बॉटकर सामाजिक क्रांति लाना और पंचायत चुनावों में महिलाओं को आरक्षण देना—ये उनके ऐसे मास्टरस्ट्रोक थे जिन्होंने उन्हें विकास पुरुष की उपाधि दी। उन्होंने राजनीति को जाति के दलदल से निकालकर विकास की मेज पर लाने की गंभीर कोशिश की थी।

नीतीश कुमार में एक राष्ट्रीय नेता बनने की हर खुबी मौजूद थी—साफ सुथरी छवि, प्रशासनिक अनुभव और धर्मनिरपेक्ष साखा। लेकिन 2013 के बाद उनकी राजनीति ने एक ऐसी करारट ली, जिसने उनकी विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए। नरेंद्र मोदी के उदय के विरोध में एनडीए छोड़ना और फिर बार-बार गठबंधन बदलना उनकी राजनीति का टर्मिंग पॉइंट साबित हुआ। यहीं से सुशासन बाबू की छवि धीरे-धीरे एक संकीर्ण पहचान में तब्दील होने लगी। एक ऐसा नेता जो कभी देश को दिशा देने की क्षमता रखता था, वह अपनी कुर्सी बचाने के लिए छोटे-छोटे समीकरणों में उलझ कर रह गया। नीतीश कुमार की सबसे बड़ी कमी उनकी अति-व्यावहारिकता रही, जो अंततः अवसरवाद के रूप में दिखने लगी। सत्ता के शीर्ष पर बने रहने की उनकी चाहत ने उनके वैचारिक आधार को कमजोर कर दिया। जब कोई नेता बार-बार अपने सिद्धांतों के विपरीत पाले बदलता है, तो वह जनता का विश्वास खो देता है। उनकी राजनीति धीरे-धीरे समावेशी विकास से हटकर केवल उत्तरजीवित की राजनीति बन गई। उन्होंने खुद को एक ऐसे धरे में सीमित कर लिया जहाँ उनके पास न तो कोई बड़ा वैचारिक आधार बचा और न ही एक कड़क विद्रोही का नेतृत्व। विशेष रूप से भाजपा के साथ उनके संबंधों का ग्राफ उनकी राजनीतिक गिरावट की सबसे बड़ी गवाह है। एक दौर वह था जब भाजपा में नीतीश कुमार का कद इतना बड़ा था कि उन्हें सिर-आंखों पर बिठया जाता था। बिहार में भाजपा उनके पीछे खड़ी रहती थी और राष्ट्रीय स्तर पर वे एनडीए के सबसे प्रभावशाली चेहरे माने जाते थे। तब भाजपा उन्हें बड़ा भाई मानती थी और उनकी हर शर्त स्वीकार्य होती थी। लेकिन आज स्थिति बिल्कुल उलट है। बार-बार गठबंधन बदलने और अपनी विश्वसनीयता खोने के कारण आज वे भाजपा के लिए केवल एक रणनीतिक आवश्यकता बनकर रह गए हैं। कल तक जो नीतीश भाजपा की दिशा तय करते थे, आज वे भाजपा की बिछाई हुई बिसात पर एक मोहरे के समान नजर आते हैं। अब गठबंधन में शर्तें वे नहीं, बल्कि भाजपा तय करती है। यह एक सशक्त नेता का धीरे-धीरे हुआ वह अवसान है, जहाँ जिस भाजपा को वे कभी चुनौती देते थे, आज उसी की छत्रछाया में अपनी राजनीतिक आयु बढ़ाने को मजबूर हैं। यह एक विडंबना ही है कि जो नेता जातिवाद को खत्म करने की बात करता था, अंत में वह स्वयं जातीय गणना और छोटे कबीलाई बोट बैंक की राजनीति के इर्द-गिर्द सिमट गया। विकास का बड़ा कैबिनास अब गठबंधन के छोड़-तोड़ की छोटी फाइलों में दब गया है। जब नीतीश कुमार भविष्य में पीछे मुड़कर देखेंगे, तो उन्हें निश्चित रूप से उस खोए हुए अवसर का मत्ताल होगा, जहाँ वह भारत के एक बड़े विकल्प का नेतृत्व कर सकते थे। इतिहास नीतीश कुमार का मूल्यांकन एक अधूरी क्रांति के नायक के रूप में करेगा। उन्हें एक ऐसे मुख्यमंत्री के रूप में याद किया जाएगा जिसने बिहार को चलना सिखाया, लेकिन खुद को दौड़ने से रोक लिया। उनका अंत इस बात का प्रमाण है कि वह बहुत बड़ी सफलता के करीब पहुंचकर अपनी ही अस्थिरता की भेंट चढ़ गए।

बिहार की राजनीति में सत्ता परिवर्तन से जुड़े सवाल

ललित गर्ग

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बिहार की राजनीति पहले से ही गूठबंधनों, समीकरणों और सत्ता-संतुलन के दौर से गुजर रही है। इस निर्णय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि बिहार की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। यह परिवर्तन जहाँ एक ओर नई संभावनाओं का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर कई सवाल भी खड़े करता है, क्या यह जनता का सम्मान है या उससे विचलन? क्या यह बिहार के लिए नई दिशा का मार्ग है या राजनीतिक रणनीति का एक नया अध्याय?

नीतीश कुमार को लंबे समय से 'सुशासन पुरुष' के रूप में जाना जाता रहा है। उन्होंने बिहार को लंबे समय तक स्थिर राजनीतिक नेतृत्व दिया और शासन व्यवस्था को कई स्तरों पर व्यवस्थित करने का प्रयास किया। सड़कों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पंचायत सशक्तिकरण और प्रशासनिक सुधार जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके कार्यों की चर्चा होती रही है। उनके शासनकाल में बिहार ने अराजकता और अपराध की छवि से बाहर निकलकर विकास और स्थिरता की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया, इसलिए उनका मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा की ओर जाना केवल एक पद परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक भूमिका के पुनर्निर्धारण के रूप में भी देखा जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को अधिक व्यापक बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है, जबकि कुछ इसे बिहार की सत्ता में नई पीढ़ी और नए नेतृत्व को अवसर देने की रणनीति के रूप में भी देखते हैं। बिहार में अपेक्षित संभावनाएँ पूरी तरह आकार नहीं ले पायीं, इसलिये भी भाजपा खुद का मुख्यमंत्री लालक बिहार को विकास से जोड़ना चाहती है।



नीतीश कुमार के इस निर्णय के बाद विपक्षी दलों ने तीव्र प्रतिक्रिया दी है। विपक्ष का आरोप है कि विधानसभा चुनाव में जनता ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार के लिए वोट दिया था और पांच वर्षों के जनता के नेतृत्व में मुख्यमंत्री पद छोड़ना जनता के विश्वास के साथ न्याय नहीं है। विपक्षी दलों का यह भी कहना है कि यह निर्णय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है और इसमें जनता की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे 'जनता के साथ खिलवाड़' और 'राजनीतिक समझौते की राजनीति' करार दिया है। उनका तर्क है कि यदि मुख्यमंत्री बदलना ही था तो जनता के पास फिर से जाने का रास्ता अपनाया जाना चाहिए था। इस प्रकार यह बहस केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता की भी बन गई है। दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा बिहार में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे

बढ़ रही है। यदि राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री आता है, तो यह बिहार की राजनीति के लिए एक नया अध्याय हो सकता है। भाजपा लंबे समय से यह दावा बनाते के लिए वोट दिया था और पांच वर्षों के जनता के नेतृत्व में मुख्यमंत्री पद छोड़ना जनता के विश्वास के साथ न्याय नहीं है। विपक्षी दलों का यह भी कहना है कि यह निर्णय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है और इसमें जनता की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे 'जनता के साथ खिलवाड़' और 'राजनीतिक समझौते की राजनीति' करार दिया है। उनका तर्क है कि यदि मुख्यमंत्री बदलना ही था तो जनता के पास फिर से जाने का रास्ता अपनाया जाना चाहिए था। इस प्रकार यह बहस केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता की भी बन गई है। दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा बिहार में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे

बढ़ रही है। यदि राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री आता है, तो यह बिहार की राजनीति के लिए एक नया अध्याय हो सकता है। भाजपा लंबे समय से यह दावा बनाते के लिए वोट दिया था और पांच वर्षों के जनता के नेतृत्व में मुख्यमंत्री पद छोड़ना जनता के विश्वास के साथ न्याय नहीं है। विपक्षी दलों का यह भी कहना है कि यह निर्णय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है और इसमें जनता की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे 'जनता के साथ खिलवाड़' और 'राजनीतिक समझौते की राजनीति' करार दिया है। उनका तर्क है कि यदि मुख्यमंत्री बदलना ही था तो जनता के पास फिर से जाने का रास्ता अपनाया जाना चाहिए था। इस प्रकार यह बहस केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता की भी बन गई है। दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा बिहार में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे

बारूद के ढेर पर दुनियां और तृतीय विश्व युद्ध की आशंका

डॉ. सुनीता बघेल

समकालीन वैश्विक परिदृश्य में 'शक्ति संतुलन' का पारंपरिक सिद्धांत अपने सबसे जटिल और संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है, जहाँ पुरानी व्यवस्थाएँ ध्वस्त हो रही हैं और नई व्यवस्थाएँ अभी गर्भ में हैं। पश्चिम एशिया के हृदय स्थल में ईरान, इजराइल और अमेरिका के मध्य उभरता त्रिकोणीय संघर्ष मात्र एक क्षेत्रीय सैन्य गतिरोध या तात्कालिक तनाव नहीं है, बल्कि यह उत्तर-आधुनिक युग की उस 'रणनीतिक असुरक्षा' का जीवंत प्रतिबिंब है, जिसने दुनिया को विनाश के कगार पर ला खड़ा किया है। 'बारूद के ढेर पर दुनिया' जैसे रूपक आज केवल साहित्यिक मुहावरे नहीं, बल्कि एक कठोर यथार्थ के रूप में उभरे हैं, जहाँ अंतरराष्ट्रीय संबंधों के स्थापित प्रतिमान और कूटनीतिक वर्जनाएँ तेजी से टूट रही हैं। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के 'यथार्थवादी सिद्धांत' के आलोक में विश्लेषण करें तो यह संकट तीन धुरियों के मध्य अस्तित्वगत हितों का एक अपरिहार्य टकराव प्रतीत होता है। इजराइल

के लिए सुरक्षा का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा नहीं, बल्कि 'अस्तित्वगत संप्रभुता' है, जो उसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसकी सैन्य क्षमता को एक 'अपरिवर्तनीय खतरे' के रूप में देखने पर विवश करती है। यही कारण है कि इजराइल की 'प्रतिरोधात्मक सुरक्षा' अब रक्षात्मक घेरे से बाहर निकलकर 'प्रिवेंटिव स्ट्राइक' यानी पूर्व-नियोजित हमलों की ओर घुट चुकी है। दूसरी ओर, ईरान का 'रणनीतिक धैर्य' अब एक आक्रामक विस्तारवाद में परिवर्तित हो चुका है, जहाँ वह अपनी 'प्रतिरोध की धुरी' के माध्यम से न केवल 'छद्म युद्ध' की सीमाओं को लांघ रहा है, बल्कि प्रत्यक्ष सैन्य संलिप्तता के द्वारा क्षेत्रीय शक्ति संरचना को पुनः परिभाषित करने की चुनौती दे रहा है। इस समीकरण में अमेरिका की भूमिका एक ढलती हुई महाशक्ति की साख बचाने की जट्टेजहद जैसी है। 'लिबरल इंटरनेशनल ऑर्डर' के संरक्षक के रूप में अमेरिका के सामने अपने सबसे विश्वसनीयसहयोगी इजराइल की सुरक्षा सुनिश्चित करने और एक नए वैश्विक महायुद्ध में सीधे शामिल होने से बचने के बीच एक अत्यंत बारीक संतुलन साधने की चुनौती है।

यह स्थिति इसलिए भी अधिक भयावह हो जाती है क्योंकि वर्तमान विश्व अब एक बहुध्रुवीय संक्रामक संघर्ष की चपेट में है। यूक्रेन-रूस युद्ध ने पहले ही वैश्विक शक्तियों को ध्रुवीकृत कर दिया है, जिससे रूस-चीन-ईरान की एक अनौपचारिक लेकिन रणनीतिक धुरी उभर रही है, जो पश्चिमी प्रभुत्व को सामूहिक चुनौती दे रही है। जब क्षेत्रीय संघर्षों में परमाणु संपन्न महाशक्तियाँ अपने हितों के कारण 'चेन रिएक्शन' की तरह शामिल होने लगती हैं, तो स्थानीय आग को विश्व युद्ध की लपटों में बदलते देर नहीं लगती।

तकनीकी मोर्चे पर, युद्ध का स्वरूप अब केवल सैनिकों और टैंकों तक सीमित नहीं रहा; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर हमले, और हाइपरसोनिक मिसाइलों के इस युग में युद्ध की गति कूटनीति की धीमी चाल से कहीं अधिक तीव्र हो चुकी है। एक छोटी सी तकनीकी 'मिसकेलकुलेशन' या गलत अनुमान एक ऐसीप्रतिक्रिया शुरू कर सकता है जिसे रोकना किसी भी राष्ट्र के नियंत्रण में नहीं होगा। आर्थिक रूप से भी, 'वैश्वीकरण' जिसे कभी शांति का अग्रदूत माना जाता था, अब 'जियो-

इकोनॉमिक्स' के एक घातक हथियार में बदल गया है। हॉजुंग जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे संवेदनशील व्यापारिक मार्गों पर मंडराते खतरे ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला को छिन्न-भिन्न कर दिया है, जिससे राष्ट्रीय के भीतर संरक्षणवाद और असुरक्षा की भावना प्रबल हो रही है। अंततः, 'अराजकता अंतरराष्ट्रीय राजनीति की मूल संरचना है' और जब अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ जैसे संयुक्त राष्ट्र प्रभावहीन हो जाती हैं, तो शांति का नग्न प्रदर्शन ही अंतिम विकल्प बचता है।

निष्कर्षतः, तृतीय विश्व युद्ध की यह आहट वैश्विक कूटनीति की सामूहिक विफलता और 'शून्य-योग खेल' की आत्मघाती मानसिकता का परिणाम है। यद्यपि 'परमाणु निवारण' ने अब तक प्रत्यक्ष महाविनाश को टाला है, किंतु निरंतर जारी यह 'सीमित युद्ध' किसी भी क्षण अनिश्चित होकर संपूर्ण मानवता के लिए सर्वनाश का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। समय की मांग है कि वैश्विक समुदाय बारूद के इस ढेर को चिंगारी से बचाने के लिए 'सामूहिक सुरक्षा' के सिद्धांतों की ओर तत्काल लौटे।

विश्व त्रासदी :युद्ध अशांति अराजकता रक्तपात का दौर

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्व हिंसा और अशांति के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के बड़े भूभाग पर अशांति और ताकतवर देशों की अराजकता बढ़ रही है। कहीं सीधी जंग में मिसाइल हमले और एयरस्ट्राइक की जा रही हैं तो कहीं प्रॉक्सिमीर के जरिए टकराव हो रहा है। युद्ध मानव सभ्यता के साथ पर्यावरण के लिए भी हानिकारक होता है। विस्फोट, रासायनिक हथियार और भारी सैन्य गतिविधियां प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर देती हैं। भूमि बंजर हो जाती है और जल स्रोत प्रदूषित हो जाते हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

बता दें कि 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध और इसी साल 7 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में परिस्थितियां गंभीर और जटिल बनी हुई हैं। इस समय दोनों देशों के बीच तनाव चरम सीमा पर है और दोनों देशों की सेनाएं प्रत्यक्ष सैन्य आक्रामकों में उलझी हुई हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-हमास युद्ध और अब अमेरिका-इजरायल बनाम ईरान युद्ध का संघर्ष यह दर्शाते हैं कि युद्ध का दंश सीमाओं से परे जाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और शांति को बुरी तरह प्रभावित करता है।

इसे हाल ही में अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के विरुद्ध शुरू की गई भारी सैन्य कार्रवाई ने और बढ़ा दिया है। अब तक ईरान में ही इस युद्ध के कारण 555 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस जंग में हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ईरानी रेड क्रैसेंट सोसाइटी के मुताबिक, ईरान में 780 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इनमें कथित तौर पर एक स्कूल पर हुए अमेरिका-इजरायल के हमले में मारी गई 165 लड़कियां और स्टाफ भी शामिल हैं।

युद्ध के कारण शरणार्थियों की समस्या भी उत्पन्न होती है जो अन्तर्राष्ट्रिय स्तर पर मानवीय संकट का रूप ले लेती है।

यह भी विडंबना है कि युद्ध प्रायः सत्ता,



वर्चस्व और वैचारिक मतभेदों के कारण होते हैं जबकि युद्ध का कीमत आम जनता चुकती है। आज के परमाणु और अत्याधुनिक हथियारों के युग में युद्ध का अर्थ केवल सीमित संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक विनाश हो सकता है। विश्व भर में जारी कुछ अन्य युद्धों का सिलसिला जारी है। आपको बता दें 2014 से जारी यमन के गृह युद्ध में लाखों लोग प्रभावित और हजारों लोगों की मौतें हो चुकी हैं। यह गृह युद्ध यमन के पूर्व और वर्तमान राष्ट्रपतियों के वफादार गुटों के बीच चल रहा है। यमन की राजधानी सना स्थित होऊथी योद्धाओं जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति अली अबदुल्ला सालेह के वफादार योद्धाओं का समर्थन प्राप्त है, और अदन में स्थित मंसूर हादी की सरकार के बीच यह युद्ध चल रहा है।

21 फरवरी, 2026 को होऊथी सेनाओं द्वारा

खुनी गृहयुद्ध में पिछले 5 वर्षों के दौरान 73,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

24 फरवरी, 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध पांचवें वर्ष में दाखिल हो चुका है। इस युद्ध में अंतर्राष्ट्रीय अनुमानों के अनुसार दोनों पक्षों के सैनिकों और नागरिकों को मिलाकर लाखों लोगों की मौत तथा लाखों लोग घायल और विस्थापित हुए हैं।

7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल और फिलिस्तीन के बीच जमीन, राजनीतिक स्वाभिमत्त और धार्मिक दावों से सम्बन्धित दशकों पुराना विवाद हमास द्वारा इजरायल पर बड़ा हमला किए जाने के बाद अधिक तेजी से भड़क उठा। दोनों पक्ष एक-दूसरे की भूमि पर कब्जे और एक-दूसरे पर परस्पर सुरक्षा खतरे के आरोप लगाते आ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार इजरायली हमलों के कारण गाजा का बड़ा हिस्सा बुरी तरह तबाह हो चुका है जिसके पुनर्निर्माण में 20 वर्ष से भी अधिक समय लगने का अनुमान है। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा विवाद तेज हुआ है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन से आतंकी संघटन पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं और इन हमलों में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे जा चुके हैं। अफ्रीकी देश सूडान भी सूडानी सशस्त्र सेनाओं (एस.ए.एफ.) तथा अर्द्धसैनिक रिपब्लिकन फोर्स (आर.एस.एफ.) के बीच 2023

से जारी युद्ध के कारण इतिहास के सर्वाधिक उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहा है।

इस कारण यहां की जनता पूरी तरह तबाह और बर्बाद हो गई है और उसकी मुसीबतों को गरीबी आदि ने और भी बढ़ा दिया है तथा लगभग 2 लाख 80 हजार लोग अपने घर छोड़ कर दूसरे स्थानों को जा चुके हैं।

उक्त सार संघर्ष वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को प्रभावित कर रहे हैं। कुल मिला कर आज विभिन्न देशों के नेताओं की सत्ता की भूख और निजी स्वार्थों के कारण दुनिया बारूद के ढेर पर बैठती नजर आ रही है।

युद्ध की विभीषिका हमें यह सिखाती है की हिंसा कभी समाधान नहीं हो सकती। मानवता का वास्तविक विकास शांति, सहयोग और पारस्परिक सहयोग में ही निहित है।

यदि विश्व समुदाय इतिहास से सबक नहीं लिया, भविष्य और भी भयावह हो सकता है। समय की मांग है की राष्ट्र अपने मतभेदों को संवाद के माध्यम से सुलझाएँ और विश्व शांति को सर्वोपरि रखें। यदि अभी भी उन्होंने सबक न सीखा तो आजकल के हथियार पहले से बेहतर होने के कारण तीसरे विश्व युद्ध की स्थिति में नुक्सान पिछले विश्व युद्धों में हुए नुक्सान से कहीं अधिक होगा और मानवता त्राहि-त्राहि कर उठेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

महिला सशक्तिकरण की मिसाल एमसीबी में महिलाओं के हाथों में प्रशासनिक बागडोर

नारी शक्ति का नेतृत्व, जिले में 22 महिलाएं निभा रहीं प्रशासन और जनप्रतिनिधित्व की अहम जिम्मेदारी

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। समाज में महिलाओं की भूमिका लगातार बदल रही है। आज महिलाएं केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रशासन, राजनीति, शिक्षा और विकास के हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। नवीन जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) इस परिवर्तन का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया है, जहाँ नारी शक्ति प्रशासनिक नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है जिले में वर्तमान में 16 महिला प्रशासनिक अधिकारी और 6 निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि शीर्ष पदों पर कार्यरत हैं। ये महिलाएं अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, मेहनत और जिम्मेदारी के साथ करते हुए जिले के प्रशासनिक और विकासगत कार्यों को आगे बढ़ा रही हैं। यह स्थिति न केवल महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है, बल्कि समाज में उनके प्रति बदलती सोच का भी प्रतीक है।



यूपी अतिरिक्त पुलिस, जिला आचरणीय अधिकारी

आज की महिला आत्मविश्वास, क्षमता और नेतृत्व कौशल के साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। प्रशासनिक निर्णयों से लेकर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन तक, महिलाएं अपनी दक्षता और संवेदनशीलता के साथ महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। एमसीबी जिले में महिला नेतृत्व का यह उदाहरण नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। प्रशासनिक नेतृत्व में महिला अधिकारी जिले में कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह के हाथों में है, जो अपने

नेतृत्व में पुलिस प्रशासन को प्रभावी ढंग से संचालित कर रही हैं। वहीं जिला स्तर पर विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम निभा रही हैं। इसके अतिरिक्त नम्रता आनंद डोंगरे (अपर कलेक्टर), इंद्रा मिश्रा (एसडीएम केरलहरी), शशिकला पैकरा (जिला आबकारी अधिकारी), अंकिता मरकाम (सहायक आयुक्त आदिवासी विकास), श्रुति धुर्वे (तहसीलदार मनेंद्रगढ़), उमंग जैन



डीपिकर मिंज, सीएसपी

(तहसीलदार), सतरूपा साहू (तहसीलदार केरलहरी), सिद्धि गबेल (तहसीलदार खड़वां), वैशाली सिंह (सीडीओ जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़), अंजना वाइकिल्फ (सीएमओ नगर पंचायत लेदरी), दीपिका मिंज (सीएसपी चिरमिरी), तरशीला टोप्यो (डीएसपी), सुश्री आराधना बनोदे (सिटी कोतवाली मनेंद्रगढ़) तथा विनीता चौरसे (जिला विपणन अधिकारी) जैसे कई महिला अधिकारी अपने-अपने पदों पर प्रभावी ढंग से जिम्मेदारियां निभा रही हैं। जनप्रतिनिधित्व में भी

महिलाओं की सशक्त भूमिका प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय शासन व्यवस्था में भी महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। एमसीबी जिले में 6 महिला जनप्रतिनिधि विभिन्न पंचायतों और नगरीय निकायों में नेतृत्व कर रही हैं और जमीनी स्तर पर विकास कार्यों को गति दे रही हैं। इनमें जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, जनपद पंचायत खड़वां की अध्यक्ष श्याम बाई मरकाम, जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ की अध्यक्ष जानकी बाई कुसरो, नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ की

अध्यक्ष प्रतिमा यादव, नगर पंचायत झगरखंड की अध्यक्ष ललिता यादव तथा रीमा यादव शामिल हैं। ये जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही महिलाओं और बच्चों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दे रही हैं। प्रेरणा बन रहा एमसीबी घरेलू जिम्मेदारियों और सार्वजनिक जीवन के दायित्वों के बीच संतुलन बनाते हुए एमसीबी जिले की महिलाएं विकास और प्रशासन की नई मिसाल कायम कर रही हैं। उनकी सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि यदि अक्सर और विश्वास मिले तो महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान कर सकती हैं। एमसीबी जिले में महिला नेतृत्व की यह मजबूत उपस्थिति न केवल नारी सशक्तिकरण का प्रतीक है, बल्कि आने वाली पीढ़ी को बेटियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रही है। यह संदेश भी देती है कि समाज के समग्र विकास के लिए महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व अत्यंत आवश्यक है।

छत्तीसगढ़ की दर्शना बनेंगीआईपीएस दूसरे प्रयास में सफलता पिता किसान, मां नगर पंचायत पार्षद धमतरी के डीएसपी को मिला 623वां रैंक

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। यूपीएससी ने सिविल सर्विस एग्जाम 2025 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के जनकपुर की रहने वाली दर्शना सिंह ने 383वां रैंक हासिल की है। वे आईपीएस बनेंगी। वहीं, धमतरी जिले के डीएसपी डायमंड सिंह ने 623 रैंक हासिल किया है। दर्शना सिंह ने आईआईटी कानपुर से इंजीनियरिंग की है। उन्होंने दूसरे प्रयास में यह सफलता अर्जित की है। यूपीएससी के लिए चयनित दर्शना सिंह शुरू से मेधावी रही हैं। वर्ष 2017-



दर्शना सिंह | 383वां रैंक

18 में उन्होंने 97 प्रतिशत अंकों के साथ डीएवी स्कूल भगवानपुर से बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उनका चयन आईआईटी कानपुर के लिए हुआ था। आईआईटी कानपुर से इंजीनियरिंग के बाद

उन्होंने यूपीएससी की तैयारी शुरू की। दूसरे प्रयास मिली सफलता पिछले वर्ष भी दर्शना सिंह ने प्री और मेंस निकाल लिया था, लेकिन इंटरव्यू में उनका चयन नहीं हो सका। दूसरे प्रयास में उन्होंने 383वां



डीएसपी डायमंड सिंह | 623 रैंक

रैंक हासिल किया है। दर्शना सिंह के पिता अरुण सिंह बघेल पेशे से किसान हैं। वे सोसाइटीयों का संचालन भी करते हैं। दर्शना सिंह की मां सीमा सिंह जनकपुर नगर पंचायत की पार्षद हैं।

नोहरी गांव के पास मिला युवक का शव हाथ पर 'राजू' नाम और दो दिल के निशान मिले

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत नोहरी गांव के पास रेलवे ट्रैक पर गुरुवार रात एक अज्ञात युवक का शव मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस के अनुसार, युवक की मोत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है, जिससे उसका शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया था। मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो सकी है। मृतक के हाथ पर दो दिल के निशान बने हुए हैं



और साथ ही 'राजू' नाम लिखा हुआ है। पुलिस इन निशानों के आधार पर युवक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। शुक्रवार सुबह तक भी युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। पुलिस आसपास के थानों और लोगों से जानकारी जुटा रही है। युवक की पहचान होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह मामला आत्महत्या का है या कोई हादसा हुआ है।

महिला से मंगलसूत्र झपटा थाने से 250 मीटर दूर वारदात दो बदमाश बाइक से आए झपट्टा मारकर पिछोर की ओर भागे सीसीटीवी में कैद

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के भौंती कस्बे में दिनदहाड़े लूट की घटना सामने आई है। पुलिस थाने से महज 250 मीटर दूर बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने एक महिला के गले से मंगलसूत्र झपट लिया और फरार हो गए। पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे भौंती कस्बे के बाजार में हुई। कमरपुत्र थाना करेरा निवासी ललिता प्रजापति होली की दोज पर अपने मायके मोहोबा गांव (थाना भौंती) आई थीं। वे अपनी मां और बेटे के साथ पैदल बस स्टैंड की ओर जा रही थीं, ताकि ससुराल लौट सकें। इसी दौरान सिरसी-पिछोर मार्ग पर बाजार के बीच बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाश उनके पास पहुंचे। एक बदमाश ने झपट्टा मारकर महिला



के गले से मंगलसूत्र छीन लिया। इसके बाद दोनों आरोपी बाइक से पिछोर की ओर फरार हो गए। घटना इतनी तेजी से हुई कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं पाए। थाने में 250 मीटर दूर हुई वारदात गौरतलब है कि यह वारदात भौंती थाने से महज 250 मीटर की दूरी पर हुई, जहां उस समय बाजार में सैकड़ों लोग मौजूद थे। इसके बावजूद बदमाश बेखौफ होकर लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार होने में सफल रहे। उल्लेखनीय है कि पिछले

शनिवार को भी पिछोर थाना क्षेत्र में कट्टे की नोक पर एक महिला से दो मंगलसूत्र और चेन लूटने की घटना सामने आई थी। उस मामले में अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। कुछ ही दिनों के भीतर हुई दूसरी लूट की घटना से इलाके में हड़सत का माहौल बन गया है। भौंती थाना प्रभारी घनश्याम भदोरिया ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गमी से लौट रहे युवक से लूट करने वाले वनखेड़ा पुलिस पर लूट की वारदात का खुलासा गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के बामौरकला थाना पुलिस ने वनखेड़ा पुलिस के पास हुई लूट की वारदात का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, सोने की पुतईया और कैश बरामद किया गया है। बामौरकला थाना प्रभारी संजय लोधी ने बताया कि 5 मार्च 2026 को ग्राम गोरवार, थाना खनिवाधाना निवासी हनुमत लोधी (27) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी के अनुसार, 3 मार्च की शाम करीब 7 बजे वह अपने रिश्तेदार की गमी से लौट रहा था। वनखेड़ा पुलिस के पास चार अज्ञात लोगों ने उसे रोका, मारपीट की और उसकी जेब से 15 हजार रुपये, एक मोटोरोला कंपनी का मोबाइल तथा गले में पहनी ओम छपी सोने की पुतईया लूटकर फरार



हो गए। हनुमत लोधी की शिकायत पर बामौरकला थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 25/2026, धारा 309(6) बीएनएस और 11/13 एमपीडीपीके एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि वारदात के बाद आरोपी खेतों के रास्ते भागे थे। आसपास के गांवों में सघन तलाशी अभियान के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि वारदात के बाद आरोपी खेतों के रास्ते भागे थे।

शादी का झांसा देकर युवक से 40 हजार की ठगी सादे कागज पर कराए साइन न शादी कराई, न पैसे लौटाए

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के बामौरकला थाना क्षेत्र के विजरावन गांव में शादी कराने के नाम पर एक युवक से 40 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। विजरावन गांव निवासी राहुल लोधी ने बताया कि उनकी शादी नहीं हो पा रही थी। इसी दौरान गांव के सुरेश पंडा ने उनसे शादी कराने की बात कही और इसके लिए 40 हजार रुपए मांगे। शादी की उम्मीद में राहुल ने उसकी बात मान ली। सुरेश ने उन्हें एक युवती की फोटो भी दिखाई थी। पीड़ित बोला-सादे कागज पर हस्ताक्षर कराए राहुल के मुताबिक 26 सितंबर 2025 को उन्होंने सुरेश पंडा को 40



हजार रुपए दे दिए। इसके बाद सुरेश उन्हें शिवपुरी कोर्ट ले गया, जहां एक युवती भी मौजूद थी। वहां सादे कागज पर राहुल और युवती के हस्ताक्षर कराए गए और कहा गया कि कुछ दिनों बाद युवती को उसके घर से विदा कर दिया जाएगा। राहुल का आरोप है कि काफी समय बीत जाने के बावजूद युवती की विदाई नहीं कराई गई। जब उन्होंने सुरेश पंडा से इस बारे में बात की तो वह टालमटोल करने लगा। पैसे

वापस मांगने पर उसने राशि लौटाने से इनकार कर दिया और धमकी भी दी। पीड़ित ने बताया कि उसने इस मामले की शिकायत पहले बामौरकला थाने में भी की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद शुक्रवार को वह एसपी कार्यालय पहुंचा और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। राहुल ने कहा कि या तो उसकी शादी कराई जाए या फिर उसके 40 हजार रुपए वापस दिलाए जाएं।

जिले की 60 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने की तैयारी

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालनालय से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, ऐसे ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित किए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है, जहाँ पिछले दो वर्षों के दौरान बाल विवाह का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। इसी क्रम में जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) में भी ऐसी पहल किए जाने की जानकारी सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले की लगभग 60 ग्राम पंचायतों और एक नगरीय निकाय से आवश्यक दस्तावेज संबंधित विभाग को प्राप्त हुए हैं। इन दस्तावेजों में यह उल्लेख किया गया है कि बीते दो वर्षों के दौरान बाल विवाह का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, प्रस्तुत अभिलेखों के आधार पर इन पंचायतों और नगरीय निकाय को बाल विवाह मुक्त घोषित करने और प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने की बात कही जा

रही है। हालांकि, विभाग की ओर से इस संबंध में आमजन को भी अपनी बात रखने का अवसर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य पक्ष के पास इन क्षेत्रों में बाल विवाह से संबंधित कोई जानकारी या आपत्ति है, तो वे इसे विभाग के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। बताया गया है कि इच्छुक पक्ष 10 मार्च 2026 तक कार्यलयीन समय, प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:30 बजे के बीच, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला एमसीबी के कार्यालय में लिखित रूप में अपना दावा या आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। इसके साथ ही संबंधित तथ्यों और दस्तावेजों को प्रस्तुत करना भी आवश्यक बताया गया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि प्राप्त आपत्तियों और दावों की जांच के बाद ही अंतिम रूप से संबंधित ग्राम पंचायतों और नगरीय निकाय को बाल विवाह मुक्त घोषित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

'दान से लाभ' - मनेंद्रगढ़ में महिला सशक्तिकरण से बदल रहा सामाजिक परिदृश्य

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। हर वर्ष 8 मार्च को मनाया जाने वाला International Women's Day महिलाओं की उपलब्धियों, अधिकारों और समानता के प्रति समाज की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह दिन केवल उसका अवसर नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों, अवसरों और सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक संकल्प का भी दिन है। इस वर्ष का विषय 'दान से लाभ' इस बात को रेखांकित करता है कि महिलाओं के सशक्तिकरण में किया गया निवेश केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज की प्रगति का आधार बनता है। यदि मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला के सामाजिक परिदृश्य पर नजर डालें, तो यहाँ भी महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ के इस जिले में शासन और प्रशासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से



सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप आज क्षेत्र की महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती स्व-सहायता समूहों की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं बचत और ऋण की गतिविधियों के साथ-साथ स्वरोजगार और लघु उद्योगों से जुड़ रही हैं। कई समूह महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य विभागों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी

आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रहे हैं। इससे न केवल परिवारों की आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ रही है। क्षेत्र में महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पोषण अभियान और बेंटी बचाओ बेंटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य विभागों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से



महिलाओं को कौशल विकास, स्वास्थ्य जागरूकता और उद्यमिता से जुड़ी जानकारी दी जा रही है। इससे महिलाएं रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसरों से जुड़ रही हैं। मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। बेटियों की शिक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ी है और अभिभावक अब अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप कई बेटियां शिक्षा, कला और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का दर्शन कर रही हैं

और जिले का नाम रोशन कर रही हैं। स्थानीय शासन व्यवस्था में भी महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। पंचायत स्तर पर निर्वाचित महिला प्रतिनिधि गांवों के विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। स्वच्छता, पोषण, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से जुड़े अभियानों में उनकी भागीदारी ने ग्रामीण विकास को नई दिशा दी है। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए भी प्रशासन और समाज दोनों स्तरों पर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जागरूकता अभियानों और

सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार किया जा रहा है। इससे समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता की भावना भी मजबूत हो रही है। इस वर्ष के महिला दिवस का संदेश स्पष्ट है कि महिलाओं के सशक्तिकरण में किया गया हर प्रयास एक दीर्घकालिक निवेश है। जब महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व के समान अवसर मिलते हैं, तो इसका लाभ पूरे समाज को मिलता है। सशक्त महिलाएं मजबूत परिवार और विकसित समाज की आधारशिला होती हैं। मनेंद्रगढ़ के परिदृश्य में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उनकी उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि सही दिशा में किए गए प्रयास सामाजिक परिवर्तन ला सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का यह अवसर हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि महिलाओं के अधिकार, सम्मान और समाज अक्सर सुनिश्चित करने की दिशा में हम सभी मिलकर निरंतर प्रयास करते रहें।

राष्ट्रीय सह प्रावीण्य (NMMSE) छात्रवृत्ति परीक्षा 02 मई को आयोजित होगी

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति योजना (NMMSE) के तहत 02 मई 2026 को परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में चयनित आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक अध्ययन के लिए प्रतिमाह 1000 रुपये की छात्रवृत्ति केन्द्र सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मिरे ने बताया कि राष्ट्रीय सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए आवेदन फार्म भरने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। विद्यार्थियों द्वारा ऑफलाइन आवेदन फार्म भरने की अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में वही विद्यार्थी पात्र होंगे जिन्होंने राज्य शासन द्वारा संचालित विद्यालय से कक्षा 7वीं में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक

(एससी/एसटी वर्ग के लिए 5 प्रतिशत की छूट) के साथ उत्तीर्ण किया हो। साथ ही विद्यार्थी के माता-पिता अथवा पालक की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 3.50 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय तथा अन्य आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगे। परीक्षा के लिए जिले के तीनों विकासखंडों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। मनेंद्रगढ़ विकासखंड - शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (शिक्षा विभाग) मनेंद्रगढ़ विद्यालय (हिंदी/अंग्रेजी माध्यम) खड़वां जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मिरे ने जिले के अधिक से अधिक विद्यार्थियों से इस परीक्षा में सम्मिलित होकर राष्ट्रीय सह प्रावीण्य (NMMSE) छात्रवृत्ति योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

खाते में गलती से आए 1500 रुपये वापस करने पर भी बैंक से नहीं हटा होल्ड, एसपी से की शिकायत

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी में एक युवक का बैंक खाता गलती से 1500 रुपये ट्रांसफर होने के बाद होल्ड कर दिया गया। युवक का आरोप है कि बैंक से वापस करने के बावजूद संबंधित व्यक्ति ने शिकायत वापस नहीं ली, जिससे उसका खाता अभी भी होल्ड पर है। परेशान युवक ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, पिछोर तहसील के ग्राम नागुली निवासी अंकुश गिरि गोस्वामी वर्तमान में शिवपुरी शहर के छत्री रोड पर रहते हैं और काम करते हैं। उनका बैंक खाता इंडियन बैंक की शिवपुरी शाखा में है। अंकुश ने बताया कि 2 मार्च 2026 को जब उन्होंने अपने खाते से लेनदेन का प्रयास किया, तो उन्हें पता चला कि उनके बैंक खाते पर होल्ड लगा हुआ है। बैंक से जानकारी लेने पर बताया गया कि साइबर



क्राइम शाखा ने 1500 रुपये के एक लेनदेन के संबंध में खाते पर होल्ड लगाया है। अंकुश के अनुसार, प्रदीप सिंह बिष्ट नामक व्यक्ति ने उनके खाते में गलती से 1500 रुपये ट्रांसफर कर दिए थे। जब अंकुश ने प्रदीप से संपर्क किया, तो प्रदीप ने बताया कि पैसे गलती से भेजे गए थे और यदि अंकुश पैसे वापस कर देगा, तो वह शिकायत वापस ले लेगा और खाते से होल्ड हटा जाएगा। युवक ने बताया कि खाते पर होल्ड होने के कारण उन्होंने 3 मार्च को दोपहर करीब 2:10 बजे 1500 रुपये प्रदीप सिंह बिष्ट के मोबाइल नंबर पर वापस ट्रांसफर कर दिए।

खुरई में तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी टक्कर, चालक गंभीर घायल



मीडिया ऑडिटर, बीना (निप्र)। खुरई में गुरुवार रात खिमलासा रोड पर धांगर गांव के पास तेज रफ्तार कार ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, ऑटो चालक राजेंद्र बंसल (50), जो सहोदर राय वार्ड के निवासी हैं, धांगर गांव से सवारियों को छोड़कर खुरई की ओर आ रहे थे। तभी खुरई से खिमलासा की तरफ जा रही एक कार ने उनके ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

पुलिस फरार कार चालक की तलाश कर रही : ऑटो संघ के अध्यक्ष सोनू श्रीवास्तव ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और घायल राजेंद्र बंसल को तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया। उन्हें वहां भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी शहरी पुलिस को दे दी गई है, और पुलिस फरार कार चालक की तलाश कर रही है।

शिक्षिका और पति को लट्ट से पीटा, खंडवा में मकान निर्माण को लेकर पड़ोसियों से विवाद, पिता-पुत्र पर FIR

मीडिया ऑडिटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा के इंदगाह के पीछे दुध तलाई क्षेत्र में सरकारी शिक्षिका और उनके पति के साथ पड़ोसियों द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार दुध तलाई निवासी शोभा बीवी (46) पति मोहम्मद आरोफ, जो शासकीय शिक्षिका हैं, ने अपने पति के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 5 मार्च की शाम करीब 6 बजे वह अपने घर पर थीं। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला वकार अहमद और उसका बेटा शूद उनके घर पहुंचे और मकान निर्माण को लेकर विवाद करने लगे।

मारपीट में घायल : आरोप है कि दोनों ने सरकारी जमीन पर मकान बनाने की बात को लेकर मां-बहन की अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। जब शोभा और उनके पति ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने उनके साथ मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। शिक्षिका के अनुसार वकार अहमद ने लकड़ी से मोहम्मद आरोफ के दिशाने पैर पर वार किया, जिससे उन्हें चोट आई। मारपीट में शिक्षिका शोभा बीवी को भी पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं हैं। घटना के दौरान मोहम्मद तहसीन और शोभा के भाई मोहम्मद साकिर मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद आरोपी जान से माने की धमकी देते हुए वहां से भाग गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

बरगी डेम में डूबे युवक का शव 2दिन बाद मिला:होली खेलने के बाद नहाने गया था

मीडिया ऑडिटर, जबलपुर (निप्र)। जबलपुर में बरगी डेम में डूबे युवक का शव दो दिन बाद शुक्रवार सुबह बरामद किया गया। बरगी नगर जैन मंदिर के पास रहने वाला शैलेश नेमा (27) बुधवार को होली खेलने के बाद दोस्तों के साथ डेम में नहाने गया था, जहां गहरे पानी में जाने से वह डूब गया। बरगी नगर पुलिस की मौजूदगी में गोताखोरों ने शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे शव को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

होली खेलने के बाद दोस्तों के साथ डेम पहुंचा : शैलेश नेमा बुधवार सुबह करीब 11 बजे घर से निकला था। वह दोस्तों रोहन कोइराला और सागर के साथ बरगी नगर में होली खेल रहा था। इसके बाद तीनों बरगी नगर चौक में बैठे और वहीं से डेम में नहाने जाने का प्लान बना। तीनों युवक बाइक से बरगी डेम के जीरो पॉइंट पहुंचे और वहां पानी में उतर गए।

गहरे पानी में जाने से डूबा युवक : रोहन कोइराला के अनुसार वह डेम किनारे बैठ हुआ था। इसी दौरान शैलेश पानी में चला गया और अचानक उसकी आवाज आई 'रोहन बचाओ।' शुरुआत में उसे लगा कि वह मजाक कर रहा है, क्योंकि शैलेश को तैरना आता था। कुछ ही देर में वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। चाने की कोशिश में एक युवक 10 मिनट तक पकड़कर रहा रोहन के मुताबिक उसने डेम के ऊपर जाकर मदद मांगी। पास में मौजूद एक युवक ने पानी में उतरकर शैलेश को बचाने की कोशिश की और करीब 10 मिनट तक उसे पकड़कर रखा। थक जाने के कारण उसने शैलेश को छोड़ दिया, जिसके बाद वह गहरे पानी में डूब गया। रोहन ने पुलिस को बताया कि उसे तैरना नहीं आता था, इसलिए वह पानी में नहीं उतर सका।

एसडीआरएफ और गोताखोरों ने चलाया सर्च ऑपरेशन : घटना की सूचना मिलते ही बरगी नगर चौकी प्रभारी सरिता पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। स्थानीय गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम ने बुधवार शाम तक डेम में तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू अभियान रोक दिया गया। गुरुवार को फिर से सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, लेकिन युवक का पता नहीं चल पाया। शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे गोताखोरों ने फिर से डेम में तलाश शुरू की। करीब साढ़े 8 बजे शैलेश नेमा का शव पानी में मिला, जिसे बाहर निकालकर पुलिस को सौंप दिया गया।

चेतावनी के बावजूद जीरो पॉइंट पार कर उतरे थे पानी में : पुलिस के अनुसार तीनों युवक डेम के उस जीरो पॉइंट तक पहुंचे थे, जहां डेम प्रबंधन ने गेट पार न करने की चेतावनी दी हुई है। इसके बावजूद वे करीब 40 फीट आगे जाकर पानी में उतर गए थे। डेम प्रबंधन ने पहले से ही इस क्षेत्र में अधिक गहराई होने के कारण वहां जाने से मना किया हुआ है। पुलिस ने दोनों दोस्तों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआत में उसे लगा कि वह मजाक कर रहा है, क्योंकि शैलेश को तैरना आता था। कुछ ही देर में वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। चाने की कोशिश में एक युवक कि उसे तैरना नहीं आता था, इसलिए वह पानी में नहीं उतर सका।

मंदसौर में वाहन चोरी करते रंगेहाथ पकड़ाए चोर

तीन बाइक बरामद सीसीटीवी खंगाल कर आरोपी तक पहुंची पुलिस

मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के दलोदा थाना क्षेत्र में लगातार सामने आ रही दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। दलोदा पुलिस ने गुरुवार शाम एक वाहन चोर को चोरी करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दलोदा और कोतवाली क्षेत्र से चोरी हुई तीन मोटरसाइकिल बरामद की हैं। मिली जानकारी के अनुसार, दलोदा थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से दोपहिया वाहनों की चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटना स्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और अन्य साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान पुलिस ने संभावित स्थानों पर आरोपी की तलाश की और विश्वसनीय मुखबिरो से सूचना संकलित की। पुलिस टीम ने अपने व्यावसायिक कौशल का उपयोग करते हुए आरोपी तक पहुंच बनाई और उसे



गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस ने आरोपी विक्रम उर्फ हवलदार पिता रामवीर सिंह बंजारा (26) निवासी थाना डोलना, जिला काशीराम नगर

(उत्तरप्रदेश) को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्तमान में मंदसौर के अभिनंदन नगर के पास डोसी बिल्डिंग क्षेत्र में रह रहा था और यहीं से वाहन चोरी की वारदातों

को अंजाम दे रहा था।

तीन चोरी की मोटरसाइकिल जब्त: पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर दलोदा और कोतवाली थाना क्षेत्र से चोरी हुई कुल तीन मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और

संभावना जताई जा रही है कि उससे अन्य चोरी की घटनाओं का भी खुलासा हो सकता है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रायसेन जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर नेशनल हाईवे-45 पर सड़क हादसा

मीडिया ऑडिटर, (निप्र)। रायसेन,एजेंसी। रायसेन जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर नेशनल हाईवे-45 पर सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान बाड़ी निवासी 25 वर्षीय जितेंद्र कहार के रूप में हुई है। वह अपने साथी लोकेश अहिरवार के साथ बरेली से बाड़ी स्थित अपने घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे की सूचना मिलते ही बाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को बाड़ी अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जितेंद्र कहार को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल लोकेश अहिरवार का अस्पताल में उपचार जारी है।

पाथाखेड़ा में युवक पर जानलेवा हमला चार गिरफ्तार पुरानी रंजिश में हुई मारपीट

मीडिया ऑडिटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल के सारनी थाना क्षेत्र के पाथाखेड़ा में एक युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो आरोपी अभी भी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक घटना 3 मार्च की रात राजेंद्र नगर, पाथाखेड़ा की है। यहां 24 वर्षीय राजकमल गिरी पिता संजय गिरी पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

यह चार आरोपी गिरफ्तार : जांच के दौरान पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें समीर अंसारी (22) निवासी कैलाश नगर शोभापुर



कॉलोनी, प्रमोद उर्फ तरुण लाहोरिया (29) निवासी अंबेडकर नगर पाथाखेड़ा, सागर पवार (24) निवासी जगजीवन नगर पाथाखेड़ा और पवन पुरी (28) निवासी आजाद नगर पाथाखेड़ा शामिल हैं।

पुलिस ने सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर दिया है। जांच अधिकारी मनोज खंडे ने बताया

कि मामूली बहस के बाद विवाद बढ़ गया था, जिसके बाद यह हमला हुआ।

वहीं, इस मामले में मयूर मकवाने (23) निवासी बस स्टैंड के पीछे पाथाखेड़ा और मुकेश जायसवाल (35) निवासी जगजीवन नगर पाथाखेड़ा अभी फरार हैं। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है।

देवास में युवक के गले पर कैंची से हमला

मीडिया ऑडिटर, देवास (निप्र)। देवास के बीएनपी थाना क्षेत्र में एक युवक के गले पर कैंची से हमला कर उसे घायल करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार घटना 23 फरवरी 2026 की है, जबकि मामले की रिपोर्ट 26 फरवरी को बीएनपी थाने में दर्ज कराई गई थी। बताया गया कि क्षेत्र में दो व्यक्तियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। इसी दौरान पीड़ित युवक घायल हो गया।

खेत पर पानी देने गए किसान की करंट से मौत, काफी देर तक घर नहीं पहुंचा

परिजन तलाश करते हुए खेत पर पहुंचे तो बेहोस मिला



चपेट में आ गया और मौके पर ही मौत हो गई।

घर नहीं पहुंचा तो चिंता हुई: काफी देर तक जितेंद्र जब घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। उसके बड़े पापा का बेटा गोपाल उसे देखने के लिए खेत पर कुएं के पास पहुंचा। वहां जितेंद्र जमीन पर बेसुध बड़ा था। तब उसने परिजनों को सूचना दी।

परिजन समेत ग्रामीण कुएं पर पहुंचे लेकिन पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों और ग्रामीणों ने विद्युत वितरण कंपनी की लापरवाही को लेकर आक्रोश जताया।

पुलिस ने पहुंच बनाया पंचनामा : सूचना मिलने पर धामनोद चौकी पुलिस भी मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को सैलाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। धामनोद चौकी प्रभारी आनंद बागवान ने बताया मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

युवक की संदिग्ध मौत के बाद नाबालिग ने लगाई फांसी टीआई बोले-दोनों पड़ोसी है, प्रेम प्रसंग की आशंका

मीडिया ऑडिटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी के समीप रामपुर गांव में दो अलग-अलग घटनाओं में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जबकि एक नाबालिग लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों मृतक सोनतालाल के कोठ गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात कारणों से का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पहली घटना 4 मार्च बुधवार की रात 8 बजे से 5 मार्च की सुबह 5:30 बजे के बीच रामपुर में हुई। यहां भगवती उड्डे के बेटे प्रताप उड्डे (19) की अज्ञात कारणों से मौत हो गई। प्रताप ग्राम कोठा सोनतालाल का निवासी था। इस संबंध में मामला क्रमांक 6/2026 दर्ज किया गया है।



प्रतिज्ञा भी ग्राम कोठा सोनतालाल की निवासी थी। इस मामले में मामला क्रमांक 5/2026 दर्ज किया गया है। एसटीओपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि नाबालिग के सुसाइड का मामला है। उन्होंने स्पष्ट किया

कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही दोनों मामलों की पूरी सच्चाई सामने आ पाएगी। पुलिस दोनों घटनाओं की गहनता से जांच कर रही है।

टीआई बोले-दोनों पड़ोसी है, प्रेम प्रसंग की आशंका : थाना प्रभारी विपिन पाल ने कहा, 'लड़का-लड़की पड़ोसी और एक ही समाज के थे।

प्रेम प्रसंग की आशंका। युवक की मौत बाद लड़की ने सुसाइड किया। जांच जारी।' दोनों शवों का पीएम हो चुका, रिपोर्ट से खुलासा होगा। गांव में सनसनी फैल गई। जबकि दो आरोपी अभी भी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक घटना 3 मार्च की रात राजेंद्र नगर, पाथाखेड़ा की है। यहां 24 वर्षीय राजकमल गिरी पिता संजय गिरी पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, पहली घटना 4 मार्च बुधवार की रात 8 बजे से 5 मार्च की सुबह 5:30 बजे के बीच रामपुर में हुई। यहां भगवती उड्डे के बेटे प्रताप उड्डे (19) की अज्ञात कारणों से मौत हो गई। प्रताप ग्राम कोठा सोनतालाल का निवासी था। इस संबंध में मामला क्रमांक 6/2026 दर्ज किया गया है।

खरगोन में केबल चोरी में नाबालिग समेत 2 गिरफ्तार



मीडिया ऑडिटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के जैतापुर थाना क्षेत्र में खेतों से मोटर पंप के कॉपर तार चोरी करने के आरोप में एक नाबालिग सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 19 हजार रुपये कीमत का 7.500 किलोग्राम केबल तार जब्त किया है। जैतापुर थाना प्रभारी सुदर्शन कलेशिया ने बताया कि लगभग एक माह पहले

सोलना रोड के खेतों में मोटर पंप से केबल चोरी की वारदात हुई थी। पीड़ित किसानों की शिकायत पर धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस छानबीन के दौरान मेहरखड़ी निवासी राजेश उर्फ राजा पिता गुलाबसिंह अवासे और जोजनखेड़ी के एक नाबालिग का नाम सामने चोरी की बात स्वीकार कर ली।

छतरपुर में ट्रक ड्राइवर का मिला शव,होली की दिन से था लापता



सड़क पर बैठा था। चाचा ने उसे शराब न पीने की सलाह दी थी। इसके बाद से ही वह लापता हो गया था। शाम के समय एक बकरी और सागर में एक व्यापारी के यहां ट्रक चलाता था। परिवार में हुई शारी और होली के त्योहार के लिए वह अपने घर आया हुआ था। मृतक के चाचा किशन यादव ने बताया कि गुरुवार, होली के दिन दोपहर बालमुकुंद गांव के बाहर

जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजन हनुमंत यादव ने बताया कि बालमुकुंद ने होली के मौके पर शराब पी रखी थी, लेकिन गुरुवार दोपहर तक वह ठीक था। दोपहर से ही वह गायब था और घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने मौत की वजह पर आशंका व्यक्त की है, उनका कहना है कि यह अधिक शराब, कोई जहरिला पदार्थ या प्राकृतिक मौत हो सकती है, जो जांच का विषय है। थाना पुलिस ने मामले को जांच में लिया है और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

सीहोर में पहली बार 36 डिग्री सेल्सियस पहुंचा तापमान



मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)। जिले में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। यह ठंड के मौसम के बाद पहली बार है जब पारा इतना ऊपर पहुंचा है। जिले का न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। इससे पहले, अधिकतम तापमान लगातार 25 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ था। होली के त्योहार के बाद स अब अनावक गर्मी का अहसास होने लगा है, जो गर्मी के आगमन का संकेत है। जानकारी के अनुसार, सीहोर जिले में पिछले सवा दो महीनों में मौसम के चार अलग-अलग रूप देखे गए हैं। जनवरी में कड़ाके की ठंड थी, जबकि फरवरी में गर्मी, ठंड और बारिश तीनों मौसमों का अनुभव हुआ। अब मार्च महीने में अधिकतम तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। शासकीय कृषि कॉलेज में स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि अब धीरे-धीरे अधिकतम तापमान में और बढ़ोतरी दर्ज होगी।

इंग्लैंड को 74 रन महंगी पड़ी हैरी ब्रूक की गलती

संजु सैमसन को तीसरे ओवर में दिया था जीवनदान

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में गुरुवार (5 मार्च) को इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने 7 विकेट पर 253 रन बनाए। भारत के बड़े स्कोर तक पहुंचने में ओपनर संजु सैमसन ने अहम भूमिका निभाई। अभिषेक शर्मा के जल्दी आउट होने के बाद भी संजु ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी जारी रखी और 42 गेंद पर 89 रन टोक दिए। संजु ने इस पारी में 211.90 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। संजु ने 8 चौके और 7 छक्के लगाए। मुंबई के

वानखेड़े स्टेडियम में संजु सैमसन ने आक्रामक शुरुआत की थी। जोफ्रा आर्चर के पहले ओवर में छक्का और चौका जड़ा, लेकिन वह थोड़े भाग्यशाली भी रहे। भारतीय पारी के तीसरे ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने सैमसन का आसान कैच छोड़ दिया। ब्रूक की यह गलती इंग्लैंड को 74 रन महंगी पड़ी। सैमसन का जब कैच छूटा तब वह 15 रन बनाकर क्रीज पर थे। इसके बाद उन्होंने अपनी पारी में 74 रन और जोड़े।

ब्रूक ने आसान कैच टपकाया- संजु सैमसन ने तीसरे ओवर की पहली गेंद पर चौका जड़ा। जोफ्रा आर्चर ने अगली गेंद पर फुल लेंथ पर की। सैमसन ने हवा में झड़व लगाने की कोशिश की। उनका बल्ला मुड़ गया। गेंद सीधे मिड-ऑन पर गई और इंग्लैंड के कप्तान ब्रूक ने आसान कैच टपका दिया। संजु ने चौथी गेंद पर छक्का जड़कर इंग्लैंड के जले पर नमक छिड़का। संजु सैमसन का लगातार दूसरा अर्धशतक- संजु सैमसन ने 8वें ओवर की

चौथी गेंद पर छक्के से अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने इसके लिए 26 गेंद का सामना किया। सैमसन का यह लगातार दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले सुपर-8 के आखिरी मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन की पारी खेली थी और भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया था। सैमसन ने अगर जड़ा होता तो वह टी20 वर्ल्ड कप में शतक जड़ने वाले दूसरी भारतीय बन जाते। इससे पहले 2010 में सुरेश रैना ने शतक जड़ा था।

किदांबी श्रीकांत: भाई के नशेकदम पर चलकर बने शटलर

कोच की सलाह ने चमकाई किरमत

नई दिल्ली, एजेंसी। किदांबी श्रीकांत की गिनती विश्व के सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ियों में होती है, जिन्होंने अपनी तेज आक्रामक खेल शैली से भारत को कई अंतरराष्ट्रीय मुकामों में गौरव दिलाया है। साल 2017 में 4 सुपर सीरीज खिताब जीतने वाले किदांबी ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। 7 फरवरी 1993 को आंध्र प्रदेश के किसान परिवार में जन्मे श्रीकांत ने बड़े भाई को देखकर 7 साल की उम्र में रैकेट थामा था। उनके भाई नंद गोपाल किदांबी भी नामी बैडमिंटन खिलाड़ी रहे, जिनके नशेकदम पर चलते हुए किदांबी श्रीकांत ने इसी खेल में अपने करियर को बनाने का फैसला किया। श्रीकांत दो साल की ट्रेनिंग के लिए अपने भाई के साथ विशाखापत्तनम के साई सेंटर में रहने लगे। जल्द ही श्रीकांत ने पुलेला गोपाचंद एकेडमी में ट्रेनिंग शुरू कर दी, जहां उन्होंने कड़ी मेहनत की। साल 2011 में उन्होंने कॉमनवेल्थ यूथ गेम्स में सिल्वर मेडल जीता, जिसके बाद ऑल इंडिया जूनियर इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में 2 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। किदांबी को युगल खिलाड़ी के तौर पर सफलता मिलने लगी थी, लेकिन हेड कोच की सलाह पर एकल मुकामों में उतरने लगे। कोच की सलाह बेहद काम आई और साल 2013 में उन्होंने थाईलैंड ओपन का खिताब जीत लिया।



श्रीकांत ने साल 2014 में चीन के ओलंपिक गोल्ड मेडलस्ट लिन डैन को उनके ही देश में शिकस्त देकर चाइना ओपन का खिताब अपने नाम किया। साल 2015 में स्विस ओपन ग्रां प्री गोल्ड में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बने। 2016 रियो ओलंपिक में किदांबी श्रीकांत ने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, लेकिन खिताब नहीं जीत सके। साल 2017 किदांबी श्रीकांत के लिए बेहद खास रहा, जब उन्होंने पांच सुपर सीरीज के फाइनल में जगह बनाई और चार खिताब जीते। इसी के साथ वह एक कैलेंडर ईयर में चार खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में चोपे वेई, लिन डैन और चैन लोंग जैसे नामी खिलाड़ियों के साथ शामिल हो गए।



विश्व के नंबर-1 बल्लेबाज और गेंदबाज लॉप

सूर्या-गंभीर की बढ़ी चिंता, फाइनल के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में गुरुवार (6 मार्च) को भारत ने इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई, लेकिन सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम की चिंता कम नहीं हुई है। भारत को 8 मार्च को फाइनल में न्यूजीलैंड से भिड़ना है। इससे पहले सूर्या और कोच गौतम गंभीर को भारत की प्लेइंग 11 को लेकर बड़ा फैसला लेना होगा। भारत के चिंता के कारण दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और नंबर-1 गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती हैं। वानखेड़े में जब भारत और इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी की तब अभिषेक शर्मा सस्ते में पवेलियम लौट गए। उन्होंने 7 गेंद पर 9 रन बनाए। अभिषेक इस पूरे टूर्नामेंट में फ्लॉप रहे हैं। वह सिर्फ जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक लगा पाए हैं। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने इंग्लैंड के खिलाफ 4 ओवर में 64 रन दे दिए। वरुण भी पीछे कुछ मैचों से संघर्ष करते दिखे हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल से पहले भारतीय टीम को यह फैसला लेना है कि अभिषेक और वरुण पर भरोसा जताया जाए या नहीं।

भारत के पास विकल्प

भारतीय टीम के पास विशुद्ध बल्लेबाज के तौर पर रिंकु सिंह जैसा विकल्प है। इसके अलावा वाशिंगटन सुंदर और अरुण के तौर पर विकल्प हैं। गेंदबाजी की बात करें तो मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाज और कुलदीप यादव स्पिन के विकल्प हैं। भारत की प्लेइंग 11 में बदलाव होता है तो अभिषेक की जगह रिंकु को मौका मिल सकता है। संजु सैमसन के साथ इशान किशन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। अभिषेक और वरुण लंबे समय से फेल- वरुण चक्रवर्ती की जगह कुलदीप यादव को मौका मिल सकता है। हालांकि, फाइनल जैसे मुकामों में टीम विनिंग कॉम्बिनेशन से छेड़छाड़ करने से बचती है, लेकिन अभिषेक और वरुण लंबे समय से फेल हो रहे हैं। ऐसे में प्लेइंग 11 में बदलाव हो या न हो सूर्यकुमार और गंभीर की आलोचना तय है।

बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किए '500 विकेट'

मुंबई, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 सेमीफाइनल के दौरान अपने करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल किया। वह इंग्लैंड की पारी के पांचवें ओवर में अपने स्पेल की पहली गेंद पर पहला विकेट लेकर 500 इंटरनेशनल विकेट हासिल करने वाले आठवें भारतीय बन गए। 23 जनवरी 2016 को सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू करने के बाद से बुमराह ने सभी फॉर्मेट में 500 विकेट हासिल किए हैं। उनसे पहले अनिल कुंबले, रविचंद्रन अश्विन, हरभजन सिंह, कपिल देव, रवींद्र जडेजा, जहीर खान और जवागल श्रीनाथ जैसे सात अन्य भारतीय गेंदबाज ऐसा कर चुके हैं।

अहमदाबाद के 32 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अब तक 52 टेस्ट में 234 विकेट, 89 वनडे में 149 विकेट और 94 टी20 मुकामों में 117 विकेट हासिल किए हैं, जो सभी फॉर्मेट में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और जबरदस्त असर को दिखाता है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बुमराह का प्रदर्शन भी

उतना ही शानदार रहा है। उन्होंने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम के लिए छह मैचों में नौ विकेट लिए थे, और सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेकर अपने विकेटों की संख्या 10 कर ली। जसप्रीत बुमराह साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 मैचों में भारत के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। खास बात यह है कि उन्होंने पिछले महीने कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में पड़ोसी देश के खिलाफ गुप-ए मैच के दौरान अपने पहले ही ओवर में दो पाकिस्तानी बल्लेबाजों, सैम अयूब और सलमान अली आगा को भी आउट किया था। 500 विकेट लेने के साथ ही बुमराह भारत के सबसे महान गेंदबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

बुमराह टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अगर वह इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सेमीफाइनल में चार विकेट ले लेते हैं, तो वह पुरुषों के टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी तेज गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा विकेट लेने के एनरिक नॉर्टजे के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे।

आईएसएल: ईस्ट बंगाल और एफसी गोवा के बीच मुकाबला ड्रॉ, नहीं हुआ एक भी गोल

कोलकाता, एजेंसी। ईस्ट बंगाल एफसी और एफसी गोवा ने गुरुवार को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीडांगन में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2025-26 सीजन के 22वें मैच में ड्रॉ खेला। इस मुकामले में एक भी गोल नहीं हुआ। यह देश के अलग-अलग कोनों से भारतीय फुटबॉल की दो बड़ी टीमों के बीच पहला गोललेस ड्रॉ था। गौस चार मैचों में आठ प्वाइंट्स के साथ टेबल में अस्थायी रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जबकि द रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड चार मैचों में सात प्वाइंट्स के साथ एक स्थान नीचे है। मिगुएल फेरेरा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्कर बुजोन ने ईस्ट बंगाल की शुरुआती इलेवन में दो बदलाव किए। सीजन की पहली शुरुआत जय गुप्ता और एंटोन सोजर्ग की जगह मोहम्मद राकिप और नाओरम महेश सिंह को दी, जबकि एफसी गोवा के हेड कोच मनोरो मार्केज ने एक ही टीम में कोई बदलाव नहीं किया।

विजिटर्स को गोल की पहली झलक तब मिली जब इशान पंडिता, डेजान डुजिक के लॉब किए गए पास पर डिफेंडर्स के पीछे दौड़े, लेकिन सेंटर-बैक अनवर अली ने एक जरूरी रिकवरी टैकल करके स्ट्राइकर को शांत मारने से रोक दिया। इसके बाद ईस्ट बंगाल ने मिडफील्ड में बॉल पर कब्जा कर लिया, जबकि गोवा काउंटरअटैक पर खेलने के लिए तैयार था। मैच का पहला शानदार मौका ईस्ट बंगाल के लिए 15 मिनट बाद आया। नाओरम महेश सिंह ने लेफ्ट विंग पर बिपिन सिंह



को एक एकदम सही ब्रेक पास दिया। विंगर ने बॉक्स में ग्यूसुफ एजेजारी के लिए एक सटीक क्रॉस दिया, जो अनमार्कड था, लेकिन स्ट्राइकर ने उनकी कोशिश को क्रॉसबार के ऊपर से मार दिया। दूसरी तरफ, प्रभसुखन सिंह गिल ने ब्रिसन फर्नांडीस के शांत को कुशलता से बचाया, जब विजिटर्स ने आयुष देव डेजी और बोरीस सिंह के साथ एक शानदार मूल से डिफेंस को भेद दिया। कुछ देर बाद, बोरीस का दाहिने पैर से किया गया शांत पोस्ट से टकराया। मेजबान टीम भी गोल करने के करीब पहुंची, जब मोहम्मद राशिद ने दूर से एक जोरदार शांत लगाया जो क्रॉसबार से टकरा गया। मिडफील्डर का यह शक्तिशाली प्रयास गोलकीपर के हाथों से निकलते हुए क्रॉसबार पर जा लगा। गोल के लिए कई कोशिशों के बावजूद दोनों टीमों में हाफ-टाइम तक 0-0 की बराबरी पर रहे।

दूसरे हाफ में मुकामला काफी सतर्क अंदाज में खेला गया। दोनों टीमों ने अपनी रक्षा पंक्ति को मजबूत कर लिया, जिससे आक्रमण करने वाले खिलाड़ियों के लिए गोल के मौके बनाना मुश्किल हो गया। दोनों कोचों ने कुछ बदलाव भी किए, लेकिन इससे खेल को दिशा में ज्यादा फर्क नहीं पड़ा।

एफसी गोवा गोल करने के सबसे करीब तब पहुंची, जब अब्दुल रबीह ने बॉक्स के किनारे पर साथी सब्स्टीट्यूट रेनियर फर्नांडीस को पास दिया। हालांकि, मिडफील्डर का दाएं पैर से लगाया गया शांत क्रॉसबार के ऊपर से निकल गया।

भारत ने मैच जीता, जैकब बेथल ने दिल

● हाईस्कोरिंग मैच में इंग्लैंड को हराया ● बैथल का शतक गया बेकार ● फाइनल में अब न्यूजीलैंड से भिड़गी टीम इंडिया



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 7 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में 8 मार्च को भारत का सामना न्यूजीलैंड से होगा। फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने मैच जीता लेकिन इस मैच में दिल जैकब बेथल ने जीता। उन्होंने 48 गेंद पर 105 रन की बेहतरीन पारी खेली।

भारतीय टीम इस मैच में 253 रन बनाकर भी आखिरी दम तक लड़ती रही और उसका पूरा श्रेय जाता है इंग्लैंड की गेंदबाजी को। इंग्लैंड के लिए जैकब बेथल की शतकीय पारी के अलावा विल जैक्स ने 20 गेंद पर 35 रन की धुआंधार पारी खेली। वहीं अंत में जोफ्रा आर्चर ने 4 गेंद पर 19 रन बनाए लेकिन अंत में जीत भारतीय टीम की मिली।

जैकब बेथल ने जीता दिल- जैकब बेथल ने इस मैच में जो पारी खेली, उससे मैच इंग्लैंड भले नहीं जीता पाया, लेकिन इंग्लैंड ही नहीं भारतीय क्रिकेट फैंस के भी इस खिलाड़ी ने दिल जीते। जैकब बेथल आरसीबी के लिए आईपीएल में खेलते नजर आएंगे। निश्चित ही उनकी इस पारी से आरसीबी फैंस जरूर खुश हुए होंगे।

भारतीय टीम का चौथा फाइनल- टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में रिकॉर्ड चौथी बार पहुंची है। काई भी टीम कभी चार फाइनल नहीं खेली है। भारत ने इससे पहले 2007, 2014, 2024 में फाइनल खेले थे। भारतीय टीम 2007 और 2024

में चैंपियन बनी थी। 2014 में भारत को फाइनल मैच में श्रीलंका ने मात दी थी।

सेमीफाइनल मैच में बने रिकॉर्ड रन- इस मैच में दोनों पारी मिलकर कुल 499 रन बने हैं। टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में किसी भी मैच का ओवरऑल यह सबसे बड़ा स्कोरकार्ड है। वहीं ओवरऑल टी20 इंटरनेशनल में यह दूसरा सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड है। इस मैच में 34 छक्के भी लगे हैं जो एक टी20 वर्ल्ड कप के मैच में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड है।



फाइनल में बारिश बनी बाधा तो भारत-न्यूजीलैंड में कौन बनेगा चैंपियन, खिताबी मुकामले के लिए रिजर्व डे का नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकामले में 7 रन के करीबी जीत दर्ज की। अब इस टूर्नामेंट के फाइनल में भारत का मुकामला न्यूजीलैंड के साथ रविवार यानी 8 मार्च को खेला जाएगा। अब अगर फाइनल में बारिश बाधा बनती है तो दोनों में से कौन टीम चैंपियन बनेगी और क्या फाइनल के लिए रिजर्व डे का प्रावधान है, आइए इसके बारे में आपको बताते हैं।



फाइनल के लिए रखा गया है रिजर्व डे आइसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल के लिए भी रिजर्व डे रखा हुआ है। 8 मार्च को फाइनल मुकामले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा, और अगर ये मैच बारिश की वजह से नहीं हो पाता है तो फिर 9 मार्च यानी सोमवार को ये मैच खेला जाएगा यहां ये बात गौर करने वाली है कि अगर 8 मार्च को कुछ देर मैच खेला गया और उसके बाद बारिश हो गई तो फिर 9 मार्च को मैच वहीं से शुरू होगा। अगर 8 को बारिश की वजह से

मैच नहीं हुआ तो 9 मार्च को इसे नए सिरे से खेला जाएगा। फाइनल मैच में नतीजा निकालने के लिए दोनों टीमों को कम से कम 10-10 ओवर का मैच खेलना जरूर होगा। हालांकि अन्य टी20आई मुकामले में 5-5 में ही नतीजा निकल जाता है, लेकिन आइसीसी के वर्ल्ड कप नियम के मुताबिक फाइनल में कम से कम दोनों टीमों के लिए 10-10 ओवर खेलना जरूरी होता है।

अगर नहीं हुआ मैच तो दोनों टीमों बनेंगे संयुक्त विजेता- फाइनल मैच के लिए आइसीसी ने कट ऑफ टाइम के लिए 90 मिनट अतिरिक्त दिए हुए हैं। वहीं रिजर्व डे में कट ऑफ टाइम 120 मिनट होगा। वहीं रिजर्व डे के दिन भी बारिश आ जाती है तो मैच का नतीजा नहीं निकल पाता है तो दोनों टीमों को संयुक्त रूप से विजेता घोषित कर दिया जाएगा। हालांकि रविवार को अहमदाबाद में बारिश की संभावना ना के बराबर है और पूरा मैच खेले जाने की उम्मीद है।

बुमराह होने चाहिए थे प्लेयर ऑफ द मैच

शतक नहीं रखता मायने; भारत के फाइनल में पहुंचने पर बोले संजु सैमसन

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में रोमांच की हद्दे पार हो गई। भारत ने इंग्लैंड को गुरुवार (5 मार्च) को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वानखेड़े में इतने रन बने कि 253 रन



बनाने बाद भी भारत मामूली अंतर से जीत पाया। संजु सैमसन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सैमसन ने लगातार दूसरे मैच में बड़ी पारी खेली, लेकिन शतक से चूक गए। हालांकि, इसका उन्हें मालूम नहीं है। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन ने प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने के बाद इंटरव्यू में कहा कि टी20 में शतक मायने नहीं रखता। इस मैच से पहले वह वेस्टइंडीज के खिलाफ 97 रन बनाकर नाबाद रहे थे। सैमसन ने जसप्रीत बुमराह की तारीफ कसीदे का काढ़े और कहा कि उनको प्लेयर

ऑफ द मैच होना चाहिए था। बुमराह ने इंग्लैंड की पारी में 18वें ओवर में सिर्फ 6 रन दिए और मैच का नतीजा पलट दिया। बुमराह पर क्या बोले सैमसन- जसप्रीत बुमराह को संजु सैमसन ने कहा, ' (जीत का) क्रेडिट जसप्रीत बुमराह को जाता है, वर्ल्ड क्लास बॉलर, पीढ़ी में एक बार आने वाले गेंदबाज। मुझे लगता है कि आज उन्होंने यही किया। यह (सम्मान) अरुल में उन्हें मिलना चाहिए। अगर हम अंत के ओवरों में इस तरह से गेंदबाजी नहीं करते तो मुझे लगता है कि मैं यहां खड़ा नहीं होता। सारा क्रेडिट गेंदबाजों को जाता है। उन्होंने मुश्किल हालात में खुद पर भरोसा कायम रखा।'

शतक न जड़ने पर क्या बोले संजु सैमसन

संजु सैमसन से सवाल हुआ कि क्या शतक मायने रखता है? उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता। आप शतक नहीं बना सकते। यह प्रॉसेस में बन जाता है। यह टेस्ट क्रिकेट नहीं है। यह वनडे मैच नहीं है, जहां आप तेज खेलने के बाद संभवतः शतक लेंगे और फिर तेज खेल सकते हैं। आप पहले बल्लेबाजी कर रहे हैं और आपको शुरुआत मिल गई है तो आपके पास तेज बल्लेबाजी के अलावा कोई चारा नहीं है। मैच देश की जीत में योगदान देकर खुश हूँ।'

2 थप्पड़ के बदले किसान की हत्या, हिस्ट्रीशीटर बदमाश ने पिस्टल से 5 गोलियां मारीं; बेटे पर भी फायरिंग की

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश ने दो थप्पड़ का बदला लेने के लिए किसान की पांच गोली मारकर हत्या कर दी। दो गोलियां किसान की पीठ जबकि एक-एक पेट, गर्दन और पसली में लगी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमलावरों ने किसान के बेटे पर भी फायरिंग की। वह गंभीर घायल है। वारदात नागौद थाना इलाके के बारापत्थर गांव में गुरुवार शाम की है। किसान ने एक दिन पहले बुधवार शाम को आरोपी के भाई को थप्पड़ मारे थे। पुलिस ने बताया- हत्याकांड को हिस्ट्रीशीटर चंदन यादव ने अंजाम दिया है। उस पर पहले से कई केस दर्ज हैं। चंदन दिसंबर 2025 में एक महीने की पैरोल पर जेल से बाहर आया था, लेकिन तय अवधि पूरी होने के बाद भी वापस नहीं लौटा। पुलिस तभी से उसकी तलाश कर रही है।



बुजुर्ग ने गाली-गलौज करने पर डांटा और थप्पड़ मारे थे: पुलिस के मुताबिक, बुधवार शाम को चंदन का छोटा भाई शरद यादव ग्रामीणों के साथ गाली-गलौज कर रहा था। अभय उर्फ बल्लू यादव (50) ने उसे डांटते हुए दो थप्पड़ मार दिए। इस बात से नाराज होकर शरद ने अपने भाई चंदन को फोन लगा दिया। अपमान का बदला लेने की बात कही। गुरुवार रात करीब साढ़े 9 बजे

चंदन अपने 5 साथियों के साथ बारापत्थर गांव पहुंचा। उस समय अभय अपने घर की छत पर टहल रहा था। चंदन ने पिस्टल निकालकर अभय पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अभय को कुल 5 गोलियां लगीं। उसने वहीं दम तोड़ दिया।

बेटे पर फायरिंग की, पैर में लगी गोलियां: इसके बाद चंदन समेत सभी आरोपी गांव से करीब एक किलोमीटर दूर

अभय के बेटे राणा यादव (25) को किराना दुकान पर पहुंचा। उस पर कई राउंड फायर किए। जान बचाने के लिए राणा दुकान छोड़कर भागा, लेकिन उसके दाहिने पैर में दो गोलियां लग गईं। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद चंदन ने अभय के छोटे बेटे राजा यादव को फोन लगाकर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

अस्पताल में भर्ती: परिजन की सूचना पर नागौद थाना प्रभारी अशोक पांडेय टीम के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोपी भाग निकले। पुलिस ने अभय यादव के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मर्चुरी में रखवाया, जबकि राणा को सिविल अस्पताल नागौद पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में इलाज के बाद परिजन उसे

निजी अस्पताल ले गए। **अभय पर हत्या के दो मामलों समेत कई अपराध दर्ज:** फिलहाल, नागौद समेत आसपास के थानों की पुलिस चंदन यादव और उसके साथियों की तलाश में जुटी है। ऐतिहासिक गांव में पुलिस तैनात की गई है। पुलिस के मुताबिक, अभय उर्फ बल्लू यादव के खिलाफ भी हत्या के दो मामलों समेत कई अपराध दर्ज थे। वह जेल भी जा चुका था।

सतना एवं मैहर जिले में होगा एचपीवी टीकाकरण अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। महिलाओं में होने वाले कैंसरों में स्तन कैंसर के बाद सर्वाधिक मामलों में सर्वाइकल (बच्चेदानी) कैंसर पाया जाता है। यह एक गंभीर बीमारी है, जिससे प्रत्येक वर्ष अनेक महिलाओं की मृत्यु हो जाती है। इस बीमारी से बचाव के लिए एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन प्रभावी सुरक्षा प्रदान करती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पुक्ला ने सतना एवं मैहर जिले में 28 फरवरी 2026 से एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है, जो आगामी 90 दिनों तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत 14 से 15 वर्ष आयु की बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन नि:शुल्क लगाई

जा रही है, जिससे उन्हें भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा मिल सके। जिले में टीकाकरण की सुविधा जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल तथा चिन्हित स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध कराई गई है। इनमें प्रमुख रूप से सीएचसी अमरपाटन, अमदरा, देवराजगंज, कोठी, मझगवां, मुकुंदपुर, नागौद, रामनगर, रामपुर बघेलान, उंचेहरा, एमसीएच सतना यूएचसी तथा मैहर एसडीएच शामिल हैं, जहाँ पात्र बालिकाओं को नि:शुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई जा रही है। अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

महिला दिवस पर सशक्त वाहिनी की बालिकाओं को दिया गया आत्मरक्षा प्रशिक्षण

मीडिया ऑडिटर, मैहर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर मानव अकादमी ऑफ मार्शल आर्ट्स मैहर द्वारा विवेकानंद कॉलेज में सशक्त वाहिनी की बालिकाओं के लिए विशेष आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र बांगरे, प्रोफेसर रश्मि गुप्ता तथा काउंसिलर मनोज पुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने बालिकाओं को आत्मरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आज के समय में लड़कियों के लिए आत्मरक्षा का प्रशिक्षण बेहद आवश्यक है, जिससे वे किसी भी विपरीत परिस्थिति में खुद की सुरक्षा कर सकें।

प्रेमी की मारपीट से आहत युवती ने नस काटी, राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया; प्रेमी को पब्लिक ने पीटा

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। प्रेमी की मारपीट से आहत एक युवती ने अपने हाथ की नस काट ली। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपी प्रेमी मौके से फरार हो गया था, लेकिन बाद में अस्पताल पहुंचकर युवती और उसके परिजनों को धमकाने लगा। इस पर अस्पताल में मौजूद लोगों ने उसे पकड़कर पिटाई कर दी और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार, घूरघाट निवासी 20 वर्षीय युवती की दोस्ती पिछले कई सालों से अमन तिवारी नामक युवक से थी। अमन ने शादी का वादा कर युवती को मिलने बुलाया और मैहर बाइपास रोड स्थित एक होटल में चार दिनों तक रोके रखा। गुरुवार शाम को अमन युवती को घुमाने के बहाने रेलवे स्टेशन ले गया। वहां किसी बात



पर विवाद होने पर उसने युवती के साथ मारपीट शुरू कर दी। प्रेमी की इस हरकत से आहत होकर युवती ने गुस्से में आकर अपने बाएँ हाथ की नस काट ली। यह देखकर आरोपी अमन तिवारी मौके से भाग निकला। राहगीरों ने घायल युवती को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया और पुलिस व उसके परिजनों को घटना की सूचना दी। युवती को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका इलाज चल रहा है। उधर, जैसे ही आरोपी अमन को युवती के अस्पताल में

गोरइया कला, थाना अमदरा, जिला मैहर के रूप में हुई। परिजनों से संपर्क करने पर पता चला कि अनिल 24 फरवरी को अपनी मां और बहन की ज्वेलरी लेकर घर से भागा था, जिसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई थी। हालाँकि, शव के पास से ज्वेलरी नहीं मिली थी, जिससे पुलिस ने आभूषणों की लालच में हत्या का अनुमान लगाया। पुलिस ने मुखबिर् तंत्र को सक्रिय किया और साइबर सेल की मदद ली। जांच के दौरान पता चला कि अनिल को एक महिला मित्र कुलगाड़ी क्षेत्र में ईट-भट्टे पर काम करती थी, जिससे मिलने

थाने से जब्त वाहन की लाइट चुराने वाला गिरफ्तार, दुर्घटना की शिकायत करने पहुंचा था; वहीं दिया घटना को अंजाम



मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। जिले के मझगवां थाने में चोरी का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां दुर्घटना की शिकायत दर्ज कराने आया एक युवक थाने में जब्त वाहन से लाइटें चुरा ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 25 फरवरी की शाम को हुई थी। दीपक उर्फ पप्पू पांडेय (40 वर्ष), पुत्र महावीर प्रसाद, निवासी बस स्टैंड मझगवां, अपने भांजे प्रवीं मिश्रा के साथ एक दुर्घटना की शिकायत दर्ज कराने थाने आया था। इसी दौरान, उसने पुलिसकर्मियों को नजर

बचाकर थाने में जब्त बोलोरो क्रामांक यूपी 70 बीई 2180 से दो लेजर और सर्च लाइटें चुरा लीं। यह बोलोरो लूट और एडी एक्ट के एक मामले में जब्त की गई थी। कुछ दिनों बाद, जब पुलिसकर्मी जब्त सामग्री की गिनती कर रहे थे, तब लाइटें गायब होने का पता चला। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें आरोपी चोरी करते हुए स्पष्ट दिखाई दिया। मालखाना प्रभारी दयाराम बैगा की रिपोर्ट पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज किया। आरोपी दीपक पांडेय को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई लाइटें भी जब्त कर ली गईं हैं।

बच्चों संग होली मिलन 'बाल रंग 2026' का पांचवां आयोजन

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर बंगले में शुक्रवार की सुबह कोरोना काल में अपने माता-पिता को खो चुके बच्चों के लिए खुशियों के नए रंग लेकर आई। कलेक्टर सपरिवार जिले भर के इन बच्चों के मेजबान बने और अपने निवास में इन बाल मेहमानों की खूब आनंद-भगत की। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस के साथ उनके विशेष रूप से बाल सुलभ साज-सज्जा युक्त कलेक्टर बंगले में जिले भर से आये बच्चों ने आत्मीयता पूर्वक होली मनाई, रंग-गुलाल के साथ मस्ती की। बच्चों ने फिसल पट्टी, झूले, विभिन्न प्रकार के व्यंजनों और डीजे में डॉस का मजा लिया। बच्चे जब वापस लौटे तो उनके हाथों में गिफ्ट और चेहरों पर खुशी भरी मनमोहक मुस्कान नजर आई।

सतना कलेक्टर ने निराश्रित बच्चों संग मनाई होली

बंगले पर गुलाल लगाकर की पुष्पवर्षा, संगीतमय माहौल में मनाया उत्सव; दिए गिफ्ट

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने शुक्रवार को निराश्रित बच्चों के साथ होली मनाई। कलेक्टर बंगले में 'बाल रंग 2026' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ कलेक्टर और उनकी पत्नी ने बच्चों को गुलाल लगाया और उन पर पुष्पवर्षा की। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। इस अवसर पर एसपी हंसराज सिंह, नगर निगम कमिश्नर शेर सिंह मीणा, एडीएम शैलेंद्र सिंह, महिला बाल विकास अधिकारी राजीव सिंघस सहित बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड और समेकित बाल संरक्षण की टीम



के सदस्य भी मौजूद रहे। संगीतमय माहौल में बच्चों के लिए स्वादिष्ट व्यंजनों की भी व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम

के समापन पर कलेक्टर ने सपरिवार बच्चों को उपहार भेंट किए।

परीक्षा के कारण 25

बच्चे ही शामिल हुए: जिला महिला बाल विकास विभाग द्वारा हर साल निराश्रित बच्चों के लिए यह आयोजन किया जाता

सिन्धु विकास समिति का कीर्तिमान, 7000 यूनिट रक्तदान कर रचा नया इतिहास

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय संस्था सिन्धु विकास समिति ने 7000 से अधिक यूनिट रक्तदान करवाकर एक उल्लेखनीय कीर्तिमान स्थापित किया है। समिति के इस मानवीय प्रयास से हजारों जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिला है और रक्तदान के प्रति समाज में जागरूकता भी बढ़ी है। समिति द्वारा समय-समय पर आयोजित रक्तदान शिविरों में युवाओं महिलाओं और समाज के सभी वर्गों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कई लोगों ने पहली बार रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपनी भागीदारी निभाई, जो इस अभियान की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

कोविड-19 महामारी के दौरान जिले में 36 बच्चों ने अपने माता-पिता को खो दिया था। इस कार्यक्रम में दुर्घटनाओं में माता-पिता खो चुके बच्चे भी शामिल हुए। कोविड के बाद यह पांचवां वार्षिक आयोजन था। जिला महिला बाल विकास अधिकारी राजीव सिंह ने बताया कि जिले में 400 से अधिक निराश्रित बच्चे हैं। इन सभी बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी प्रशासन सीएसआर और सरकारी फंड से निभा रहा है। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में केवल 25 बच्चे ही शामिल हो सके, क्योंकि अधिकांश बच्चों की परीक्षाएं चल रही हैं।



रक्त प्रेरक एवं समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने रक्तदान को महान बताते हुए कहा कि यह जरूरतमंद व्यक्ति के लिए अमूल्य उपहार के समान है। उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य केवल रक्त एकत्रित करना नहीं बल्कि समाज में जागरूकता लाना भी है ताकि अधिक से अधिक लोग नियमित रूप से रक्तदान के लिए प्रेरित हों। समिति के इस 7000 प्लस

रक्तदान अभियान की शहरभर में सराहना हो रही है। कई सामाजिक संगठनों समाजसेवियों और आम नागरिकों ने इस मानवीय पहल की भूरी भूरी प्रशंसा की है। इस उपलब्धि में युवाओं, मातृशक्ति और 60 प्लस रक्तदाताओं के साथ झुल्लाल मंदिर, सिंधु सभा, पंजाबी महिला मंडल, मारवाड़ी सेवा मंच सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं का उल्लेखनीय योगदान रहा।